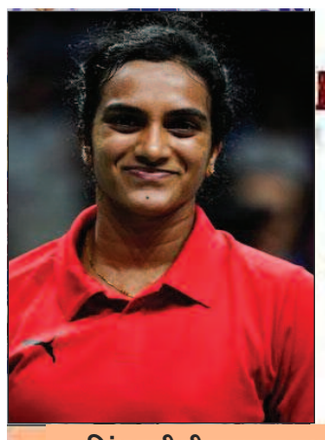

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सिंधु बनी बीडब्ल्यूएफ एथलीट्स कमीशन की चेयरपर्सन -पेज: 7

किआरा आडवाणी ने अपनी भूमिका के बारे में किया खुलासा -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 257 | शुक्रवार 26 दिसंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

अटल की 101वीं जयंती पर लखनऊ में 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' का उद्घाटन, पीएम मोदी ने किया महान नायकों को नमन

लखनऊ एजेंसी: पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को लखनऊ में 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' का उद्घाटन किया। यह स्थल भारत के महान दूरदर्शी नेताओं के योगदान और राष्ट्र निर्माण की यात्रा को समर्पित है। 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' की मुख्य विशेषताएं इस परिसर में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की 65 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। ये प्रतिमाएं भारत की राजनीतिक विचारधारा और जनसेवा के प्रति उनके समर्पण का प्रतीक हैं। कमल के आकार का म्यूजियम परिसर में 98,000 वर्ग फुट में फैला एक अत्याधुनिक म्यूजियम बनाया गया है, जिसकी बनावट 'कमल के फूल' जैसी है।

यूपी का डिफेंस कॉरिडोर बनेगा वैश्विक पहचान: पीएम मोदी

लखनऊ एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राष्ट्र प्रेरणा स्थल के लोकार्पण समारोह में कहा कि वह दिन दूर नहीं, जब उत्तर प्रदेश का डिफेंस कॉरिडोर पूरी दुनिया में अपनी पहचान बनाएगा। उन्होंने इसे उत्तर प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि आने वाले समय में राज्य का डिफेंस कॉरिडोर वैश्विक मानचित्र पर मजबूती से उभरेगा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जिस ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत पूरी दुनिया ने देखी, उसका निर्माण अब लखनऊ में प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक विशाल डिफेंस कॉरिडोर का निर्माण हो रहा है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जिस ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत पूरी दुनिया ने देखी, उसका निर्माण अब लखनऊ में किया जा रहा है। पीएम मोदी ने विश्वास जताया कि उत्तर प्रदेश का डिफेंस कॉरिडोर जल्द ही

विश्वस्तरीय पहचान हासिल करेगा। भारत की प्रगति का पैमाना समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की मुस्कान से तय होना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि इसी विचार को उन्होंने अपना संकल्प बनाया है और ह्यसेचुरेशनह्ल के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी जरूरतमंद सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे। राष्ट्र प्रेरणा स्थल के निर्माण के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दी बधाई प्रधानमंत्री ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल के निर्माण के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस पावन अवसर पर वे महामना मदन मोहन मालवीय, अटल बिहारी वाजपेयी और महाराजा बिजली पासी को श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रेरणा स्थल उन विचारों का प्रतीक है, जिन्होंने भारत को आत्मसम्मान, एकता और सेवा का मार्ग दिखाया। स्थल पर स्थापित डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमाएं जितनी ऊंची हैं, उनसे मिलने वाली प्रेरणा उससे कहीं अधिक ऊंची पीएम मोदी ने कहा कि इस स्थल पर स्थापित डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमाएं जितनी ऊंची हैं, उनसे मिलने वाली प्रेरणा उससे कहीं अधिक ऊंची है। उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी की पंक्तियों का उल्लेख करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए कदम से कदम मिलाकर चलना होगा। 30 एकड़ भूमि पर राष्ट्र प्रेरणा स्थल का हुआ है निर्माण नरेंद्र मोदी ने बताया कि जिस 30 एकड़ भूमि पर राष्ट्र प्रेरणा स्थल का निर्माण हुआ है, वहां वर्षों तक कूड़े-कचरे का पहाड़ लगा हुआ था। बीते तीन वर्षों में उसे हटाकर इस भव्य स्थल का निर्माण किया गया। उन्होंने इस परियोजना से जुड़े सभी लोगों को बधाई दी। पीएम मोदी ने देश और दुनिया को क्रिसमस की शुभकामनाएं भी दीं पीएम मोदी ने देश और दुनिया को क्रिसमस की शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा कि भारत के करोड़ों ईसाई परिवार आज यह पर्व मना रहे हैं और यह उत्सव सभी के जीवन में खुशियां लाए, यही कामना है।

उन्होंने कहा कि 25 दिसंबर का दिन देश के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इसी दिन अटल बिहारी वाजपेयी और महामना मदन मोहन मालवीय का जन्म हुआ था। इसके साथ ही यह महाराजा बिजली पासी की जयंती भी है, जिन्होंने वीरता, सुशासन और समावेश की समृद्ध विरासत छोड़ी। अटल बिहारी वाजपेयी ने सही मायनों में सुशासन को धरातल पर उतारा प्रधानमंत्री ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने सही मायनों में सुशासन को धरातल पर उतारा।

उन्होंने कहा कि 25 दिसंबर का दिन देश के लिए....

पीएम मोदी ने देश और दुनिया को क्रिसमस की शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा कि भारत के करोड़ों ईसाई परिवार आज यह पर्व मना रहे हैं और यह उत्सव सभी के जीवन में खुशियां लाए, यही कामना है। उन्होंने कहा कि 25 दिसंबर का दिन देश के लिए विशेष महत्व रखता है

योगी बोले: राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल अटल जी की विरासत को अमर रखेगा; पीएम मोदी ने किया करेंगे उद्घाटन

लखनऊ एजेंसी: पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिग्गज नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को रेखांकित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाजपेयी को एक दूरदर्शी नेता बताया, जिन्होंने कई बार संसद में राज्य का प्रतिनिधित्व किया और राष्ट्र के विकास के लिए काम किया। अपने भाषण में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाजपेयी के राष्ट्र के प्रति अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह वर्ष विशेष है क्योंकि देश वाजपेयी की जन्म शताब्दी मना रहा है, जिसके तहत उनकी कविताओं का पाठ, उनके लेखन पर वाद-विवाद और देश भर में भाषण जैसे विभिन्न

कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। योगी ने कहा कि उन्होंने कई बार देश की संसद में राज्य का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने विकास की एक नई दृष्टि के साथ राष्ट्र को आगे बढ़ाने के लिए काम किया। यह वर्ष विशेष है। अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी समारोह देश भर में बड़े उत्साह के साथ मनाया जा रहा है, जिसमें अटल जी की कविताओं का पाठ, उनके लेखन पर वाद-विवाद और संसद तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उनके महत्वपूर्ण भाषण शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी ने वाजपेयी की स्मृतियों को जीवित रखने के लिए डबल इंजन सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने आगे कहा कि उनकी जन्म शताब्दी के अवसर पर, दो इंजन वाली सरकार ने अटल जी की स्मृतियों को जीवित रखने और उनके विचारों की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए लखनऊ में एक राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल का निर्माण किया है। आज, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस स्थल को राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

इस बीच, एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर 25 दिसंबर (गुरुवार) को उत्तर प्रदेश के लखनऊ का दौरा करेंगे। दोपहर लगभग 2:30 बजे, प्रधानमंत्री राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन करेंगे और इस अवसर पर एक जनसभा को संबोधित भी करेंगे। स्वतंत्र भारत के महान व्यक्तित्वों की विरासत को सम्मानित करने के प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरित, राष्ट्र प्रेरणा स्थल भारत के सबसे सम्मानित राजनेताओं में से एक के जीवन, आदर्शों और अमिट विरासत को श्रद्धांजलि अर्पित करेगा

फॉक्सकॉन रोजगार पर श्रेय की जंग: राहुल गांधी ने सराहा, वैष्णव ने 'मेक इन इंडिया' को दिया श्रेय

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इस सप्ताह कर्नाटक सरकार की प्रशंसा करते हुए इसे भारत में अब तक की सबसे तेज फैक्ट्री विस्तार प्रक्रिया बताया। उन्होंने आईफोन निमार्ता फॉक्सकॉन द्वारा बेंगलुरु के पास स्थित अपने कारखाने में की गई तीव्र भर्ती का उदाहरण दिया। गांधी फॉक्सकॉन द्वारा मात्र नौ महीनों में लगभग 30,000 श्रमिकों की भर्ती का जिक्र कर रहे थे, जिनमें से लगभग 80 प्रतिशत महिलाएं थीं। उन्होंने सोमवार को फेसबुक पर इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट साझा किया। राहुल गांधी ने लिखा, महज आठ-नौ महीनों में 30,000 कर्मचारियों की भर्ती - भारत में अब तक की सबसे तेज फैक्ट्री उत्पादन वृद्धि । उन्होंने कहा कि यह महज

एक आंकड़ा नहीं है। यह एक क्रांतिकारी रोजगार सृजन है। इसे और भी प्रभावशाली बनाने वाली बात यह है कि इस इकाई का नेतृत्व मुख्य रूप से महिलाएं कर रही हैं, जिनमें लगभग 80 प्रतिशत महिलाएं हैं, जिनमें से अधिकांश 19-24 वर्ष की आयु की हैंह्व कई महिलाओं के लिए यह उनकी पहली नौकरी है। कर्नाटक एक ऐसा वातावरण बनाकर मिसाल कायम कर रहा है जहां विनिर्माण इस पैमाने और गति से बढ़ सकता है। यही वह भारत है जिसका हमें निर्माण करना हैः सम्मानजनक नौकरियां और सभी के लिए अवसर। बुधवार को, केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से इस विकास का श्रेय केंद्र सरकार को दिया। वैष्णव ने गांधी के पोस्ट और समाचार रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट साझा करते हुए कहा कि राहुल गांधी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम की सफलता को स्वीकार करने के लिए धन्यवाद। जैसा कि आपने कहा है, प्रधानमंत्री के विजन को लागू करते हुए हम एक उत्पादक अर्थव्यवस्था बनते जा रहे हैं। ताइवान स्थित फॉक्सकॉन, नवीनतम आईफोन 17 सहित एप्पल उपकरणों का एक प्रमुख अनुबंध निमार्ता है, और चीन से भारत में उत्पादन के क्रमिक स्थानांतरण में एप्पल की केंद्रीय भूमिका निभाने की उम्मीद है। एक बार पूरी तरह से चालू हो जाने पर, बेंगलुरु क्षेत्र की सुविधा में प्रति वर्ष 20 मिलियन आईफोन तक उत्पादन करने की क्षमता होने की उम्मीद है।

कुलदीप सेंगर की जमानत पर बवाल: सुप्रिया श्रीनेत बोलीं- यह सभ्य समाज के मुंह पर तमाचा

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने 2017 के उन्नाव बलात्कार मामले में आरोपी कुलदीप सिंह सेंगर की सजा निलंबित करने और उसे जमानत देने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले की कड़ी आलोचना की है। बुधवार को इस मुद्दे पर बोलते हुए श्रीनाते ने कहा, "हत्या और सामूहिक बलात्कार का दोषी पाया गया व्यक्ति, जो आजीवन कारावास की सजा काट रहा था, उसे छह साल में रिहा कर दिया गया। उसे छह साल में जमानत मिल गई। यह किस तरह का न्याय है? क्या इस देश में बेटियों को न्याय मिलेगा?" सुप्रिया श्रीनेत ने आगे कहा, "जब वह बेटी और उसकी मां इंडिया गेट पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रही थीं, तब दिल्ली पुलिस ने जिस क्रूरता से उन्हें घसीटा, जिस अमानवीयता से उनके साथ व्यवहार किया। यह एक सभ्य समाज के मुंह पर तमाचा है। मैं अदालत से अपील करती हूं कि वह इस मामले का स्वतः संज्ञान

ले और इस फैसले को पलट दे।" उन्होंने कहा कि एक महिला के रूप में, एक मां के रूप में, मैं अपील करती हूं कि अदालत को इस मामले पर पुनर्विचार करना चाहिए। इस बीच, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने घोषणा की है कि वह दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देगी। दिल्ली उच्च न्यायालय की खंडपीठ द्वारा पारित आदेश की जांच करने के बाद, एजेंसी ने जल्द से जल्द विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर करने का निर्णय लिया है। अधिकारी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहाःसीबीआई ने कुलदीप सिंह सेंगर की सजा के निलंबन और जमानत दिए जाने को चुनौती देने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में विशेष अनुमति याचिका दायर करने का निर्णय लिया है। आरोपी ने जमानत याचिका के साथ अपील भी दायर की थी, जिसका सीबीआई और पीड़ित परिवार दोनों ने कड़ा विरोध किया था। सीबीआई ने याचिका का विरोध करते हुए विस्तृत लिखित दलीलें प्रस्तुत की थीं।

मुंबई में आवासीय इमारत में आग, 40 लोगों को सुरक्षित निकाला गया

मुंबई एजेंसी: मुंबई के अंधेरी पश्चिम इलाके में स्थित 23 मंजिला आवासीय इमारत में बृहस्पतिवार सुबह आग लगने के बाद लगभग 40 लोगों को वहां से सुरक्षित निकाला गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने की घटना वीरा देसाई रोड पर कंट्री क्लब के पास सोरेंटो टॉवर में सुबह करीब 10 बजे हुई, हालांकि इसमें कोई घायल नहीं हुआ। नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि 16वीं मंजिल से सीढ़ियों के माध्यम से 30-40 लोगों को नीचे उतारा गया, जबकि एक महिला सहित तीन अन्य लोगों को 15वीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। उन्होंने बताया कि आग से 10वीं से 21वीं मंजिल के बीच स्थित विद्युत शाफ्ट में तार और अन्य उपकरण प्रभावित हुए, साथ ही विभिन्न मंजिलों पर डक्ट के पास स्थित राउटर, जूतों की अल्मारियां और लकड़ी के फर्नीचर प्रभावित हुए। अधिकारी ने बताया कि दमकल विभाग ने कम से कम चार दमकल वाहन और अन्य साजो सामान की मदद से सुबह 11:37 बजे आग पर काबू पा लिया। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

कंधमाल में सुरक्षाबलों का बड़ा एक्शन, टॉप कमांडर गणेश उइके समेत 5 माओवादी ढेर

ओडिशा एजेंसी: ओडिशा के कंधमाल जिले में चलाए गए एक बड़े माओवादी विरोधी अभियान में दो दिवसीय तलाशी अभियान के दौरान पांच माओवादी मारे गए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी है। बुधवार को बेलघर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गुम्मा वन क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में दो माओवादी शहीद हो गए। गुरुवार को चाकापद पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नारिग झोला वन क्षेत्र में हुई एक अन्य मुठभेड़ में तीन और माओवादी मारे गए। विशेष खुफिया शाखा (एसआईडब्ल्यू) से मिली विशिष्ट सूचनाओं के आधार पर, सुरक्षा बलों ने कंधमाल के चाकापद पुलिस थाना क्षेत्र और राम्भा वन क्षेत्र में गंजाम जिले के आसपास के इलाकों में 23 टीमों, 20 विशेष अभियान समूह (एसओजी) टीमों, दो सीआरपीएफ टीमों और एक बीएसएफ टीम के साथ एक संयुक्त अभियान चलाया। 25 दिसंबर, 2025 की सुबह

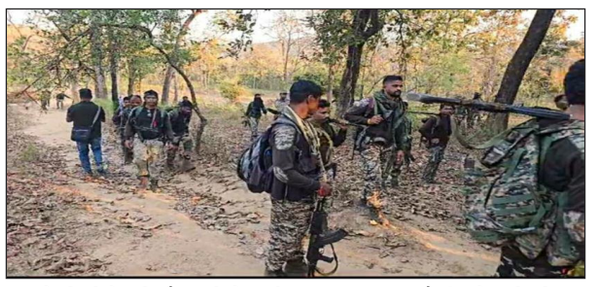

एसओजी टीमों की मौजूदगी में कई स्थानों पर गोलीबारी की कई घटनाएं हुईं। तलाशी अभियान के बाद, सुरक्षा बलों ने वर्दीधारी चार माओवादी शव (दो पुरुष और दो महिलाएं) बरामद किए, साथ ही दो इंसास राइफलें और एक .303 राइफल भी बरामद की। मारे गए माओवादियों में से एक की पहचान गणेश उइके के रूप में हुई है, जो केंद्रीय समिति के सदस्य और ओडिशा में माओवादी गतिविधियों के प्रमुख थे। अन्य तीन की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। अधिकारियों ने बताया कि आगे तलाशी अभियान जारी है और अब माना जा रहा है कि देवूजी ही इस क्षेत्र में सक्रिय एकमात्र प्रमुख माओवादी नेता बचे हैं। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वाईबी खुराना की उपस्थिति में एक औपचारिक समारोह के दौरान आत्मसमर्पण हुआ। आत्मसमर्पण करने वाले जवानों ने एके-47 राइफलों और सेल्फ-लोडिंग राइफलों (एसएलआर) सहित हथियारों का जखीरा जमा कराया और ओडिशा पुलिस नक्सल आत्मसमर्पण के बैनर तले उन्हें पारंपरिक शॉल पहनाकर सम्मानित किया गया।

अटल बिहारी वाजपेयी राजनीति के अजातशत्रु थे: केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भारत रत्न और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर उन्हें स्मरण करते हुए कहा कि वाजपेयी राजनीति के अजातशत्रु थे, जिन्होंने भारत का मान दुनिया भर में बढ़ाया। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ऐसे नेता थे, जिनके विरोधी भी उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर उंगली नहीं उठा सकते थे। गृहमंत्री शाह ने अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की मध्य प्रदेश के ग्वालियर में आयोजित अभ्युदय मध्य प्रदेश ग्रोथ समिट का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने ग्वालियर अंचल के देश के लिए दिए गए योगदान को भी याद किया और अटल बिहारी वाजपेयी से जुड़े कई प्रसंगों का उल्लेख किया। ग्वालियर क्षेत्र ने सदियों से भारत को ऊर्जा और गति देने का किया है कार्य केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि ग्वालियर क्षेत्र ने सदियों से भारत को ऊर्जा और गति देने का कार्य किया है। मुगलों के विरुद्ध संघर्ष से लेकर सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन तक इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। तानसेन से लेकर आज तक

इस अंचल ने देश की सांस्कृतिक परंपरा को मजबूती दी है। उन्होंने कहा कि यहां के किसानों ने भारतीय कृषि को नई दिशा दी, वहीं आजादी के बाद इस क्षेत्र ने बड़ी संख्या में पैरामिलिट्री और सैन्य बलों को जवान भी दिए हैं। अटल बिहारी वाजपेयी का स्मरण करते हुए अमित शाह ने कहा कि उनका जीवन का एक बड़ा कालखंड इसी क्षेत्र में बीता, जिसने अटल को अटल बिहारी वाजपेयी के रूप में गढ़ा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का स्मरण करते हुए अमित शाह ने कहा कि उनका जीवन का एक बड़ा कालखंड इसी क्षेत्र में बीता, जिसने अटल को अटल बिहारी वाजपेयी के रूप में गढ़ा। उन्होंने न केवल देश की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित किया, बल्कि स्वराज से सुशासन तक की यात्रा को आगे बढ़ाया। उस दौर में जब अंग्रेजी का वर्चस्व था, तब संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में भाषण देकर उन्होंने पूरे देश का दिल जीत लिया।

अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में हुई जनजातीय कार्य मंत्रालय की स्थापना केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री बनने से पहले जनजातीय समाज के लिए कोई अलग मंत्रालय नहीं था। उनके नेतृत्व में ही भारत सरकार में जनजातीय कार्य मंत्रालय की स्थापना हुई और जनजातीय कल्याण की एक नई यात्रा शुरू हुई। उन्होंने पूरी दुनिया के सामने परमाणु शक्ति के शांतिपूर्ण उपयोग का सिद्धांत किया प्रस्तुत अधोसंरचना विकास पर चर्चा करते हुए अमित शाह ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल से पहले इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश को चुनाव जीतने का साधन नहीं माना जाता था। उन्होंने कांग्रेस की इस दकियानूसी सोच को तोड़ा और स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना जैसी ऐतिहासिक पहल की।

उन्होंने कहा कि वैश्विक दबावों के बावजूद अटल बिहारी वाजपेयी ने भारत को परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र बनाने का साहसिक निर्णय लिया। कारगिल घुसपैठ के बाद भी उन्होंने स्पष्ट कहा था कि शांति के प्रयासों के बावजूद पाकिस्तान ने धोखा दिया है और जब तक घुसपैठियों को खदेड़ा नहीं जाता, तब तक बातचीत संभव नहीं है।

संपादकीय

बाजार के विस्तार की उम्मीदें पूरी नहीं हुई

जीएसटी कटौती से एफएमसीजी कंपनियों की बिक्री में अक्टूबर में हुई बढ़ोतरी नवंबर में गायब हो गई। बाजार का दीर्घकालिक रुझान भी जारी रहा है। एसयूवी की बिक्री खूब बढ़ी है, मगर छोटी कारों के मामले में मामूली बढ़ोतरी ही दर्ज हुई।

धूम-धड़ाके से बचत उत्सव मनाने के बाद अब बारी उसकी कीमत चुकाने की है। प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस को लाल किले से जीएसटी ढांचे में बदलाव का एलान किया था। नवरात्रि के साथ नई दरें लागू हुईं, तो यह धारणा बनाने की कोशिश हुई कि भारतीय बाजार में मांग एवं उपभोग की कमी से उपजी तमाम आर्थिक समस्याओं का अब हल निकल आएगा। यह समाधान कितना हुआ, यह अपने-आप में महत्त्वपूर्ण प्रश्न है। मगर एक सवाल राजकोष पर इसके असर का भी है, जिसकी ओर तब अनेक हलकों से ध्यान दिलाया गया था। अब मुद्दा सामने है। महाराष्ट्र के वित्त मंत्री अजित पवार ने कहा है कि कल्याण योजनाओं पर अधिक खर्च के कारण पहले से ही राजकोषीय दबाव में चल रही राज्य सरकार को जीएसटी दरों में कटौती से सालाना 15 हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने जा रहा है। इसकी क्षतिपूर्ति के लिए राज्य सरकार उत्पाद शुल्कों में बदलाव पर विचार कर रही है। यानी जीएसटी में मिली राहत को उत्पाद शुल्क में वृद्धि से वापस लिया जाएगा। या फिर पहले से ही 9.32 लाख करोड़ रुपये के कर्ज बोझ तले दबी राज्य सरकार नए ऋण लेगी। कर्ज का गणित यह है कि उसका ब्याज चुकाना होता है और वह भी करदाताओं की जेब से ही आता है। कर्जदाता मोटी जेब वाली कंपनियां और लोग होते हैं, जबकि ज्यादा बोझ फटी जेब वालों पर पड़ता है।

अब अगर जीएसटी कटौती से हुए फायदों पर ध्यान दें, तो कुछ ताजा आंकड़े इसकी कहानी बता देते हैं। रोजमर्रा की जरूरत के सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियों की बिक्री दर में अक्टूबर में हुई बढ़ोतरी नवंबर में गायब हो गई। और अक्टूबर की कथा भी यह थी कि बिक्री में बढ़ोतरी बाजार के दीर्घकालिक रुझान के अनुरूप ही रही। मसलन, अक्टूबर- नवंबर के साझा आंकड़ों के मुताबिक कार बाजार में एसयूवी की बिक्री 17 फीसदी बढ़ी, लेकिन छोटी कारों के मामले में यह तीन प्रतिशत ही रही। यानी बाजार के विस्तार की उम्मीदें पूरी नहीं हुई हैं। लाभ धनी लोगों तक सीमित रहा, जबकि अब कीमत चुकाने का ज्यादा बोझ आम लोग उठाएंगे!

चिंतन-मनन

मुक्ति की तलाश

जापान में नानहेन नामक एक परम ज्ञानी फकीर थे। एक दिन एक व्यक्ति उनके पास पहुंचकर बोला, मैं संन्यास लेना चाहता हूं। इसके लिए मैंने अपने घर-परिवार, रिश्ते-नाते सब को तिलांजलि दे दी है। फकीर ने पूछा, क्या तुम बिल्कुल अकेले हो? तुम्हारे साथ वास्तव में कोई नहीं है। व्यक्ति बोला, आप मेरे आगे-पीछे देख लीजिए, आपको कोई नहीं मिलेगा। फकीर बोले, अपनी आंखें बंद करो। अंदर झांककर देखो कि वहां कोई और तो नहीं है? जाओ, कुछ देर के लिए वटवृक्ष की छाया में बैठकर सोचो। थोड़ी देर बाद आना।

वह व्यक्ति वटवृक्ष की छाया में बैठकर ध्यान करने लगा। जब उसने आंखें बंद कीं तो उसे अपने वृद्ध माता-पिता, पत्नी और बच्चों की छवि नजर आने लगी। वह चिंतित हो गया। घबराकर उसने अपनी आंखें खोलीं तो फकीर को अपने पास खड़ा पाया। व्यक्ति ने कहा, मैं तो अपना परिवार, नाते-रिश्ते सब पीछे छोड़ आया था, लेकिन यहां पर आंखें बंद करते ही उनकी छवि सामने घूम रही है। इस पर फकीर बोले, ध्यानमग्न होकर उन व्यक्तियों को अपने दिमाग से निकालने का प्रयत्न करो। कुछ देर बाद मेरे पास आना। दो घंटे बाद युवक ने फकीर का दरवाजा खटखटाया तो फकीर बोले, कौन है? युवक बोला, मैं हूं। फकीर ने कहा, अभी भी तुम अकेले नहीं हो। तुम्हारा मैं तुम्हारे साथ है। अगर तुम इस मैं और भीड़ को छोड़ सको तो फिर यहां आने की जरूरत ही नहीं रह जाएगी। तुम मैं से मुक्ति पा लो तो फिर संन्यास लेने का भी कोई अर्थ नहीं रह जाएगा। व्यक्ति ने फकीर की बात समझ ली।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

वीर बालकों की शहादत को सच्ची श्रद्धांजलि है 'वीर बाल दिवस'

योगेश कुमार गोयल

26 दिसम्बर को गुरु गोबिंद सिंह जी के चार छोटे साहिबजादों के बलिदान की याद में 'वीर बाल दिवस' मनाया जाता है। इन वीर बालकों ने छोटी उम्र में ही अपने धर्म के लिए अपनी जान न्यौछावर कर दी थी। वीर बाल दिवस वही दिन है, जब साहिबजादों 9 वर्षीय जोरावर सिंह और 6 वर्षीय फतेह सिंह को मुगलों द्वारा दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया था। गुरु गोबिंद सिंह के चारों साहिबजादों ने अन्याय के आगे सिर झुकाने के बजाय अपने देश, अपने धर्म की रक्षा के लिए हंसते-हंसते अपना बलिदान कर अपनी वीरता और अपने आदर्शों से ऐसे उदाहरण प्रस्तुत किए, जो हर किसी के लिए अनुकरणीय हैं।

गुरु गोबिंद सिंह और उनका पूरा परिवार सिख धर्म का प्रतीक था, जिनका एक ही प्रण था कि चाहे कुछ भी हो जाए, वे लोगों को धर्म परिवर्तन नहीं करने देंगे और मुगलों के खिलाफ एकता से लड़ेंगे। इसीलिए मुगलों द्वारा उनके परिवार को धर्म परिवर्तन करने के लिए अनेक कष्ट दिए गए। उनके दो बड़े बेटों अजीत सिंह और जुझार सिंह को उनके सामने ही मार डाला गया और दो छोटे बेटों जोरावर सिंह और फतेह सिंह को जिंदा दीवार में चुनवा दिया गया लेकिन गुरु गोबिंद सिंह ने सिख धर्म छोड़कर मुगल बनना कभी स्वीकार नहीं किया।

मुगल सेना द्वारा अचानक आक्रमण किए जाने पर गुरु गोबिंद सिंह को पूरे परिवार के साथ 20 दिसम्बर 1704 को कड़कड़ाती ठंड में आनंदपुर साहिब किला छोड़ना पड़ा था। किले को छोड़कर जब वे सरसा नदी को पार कर रहे थे तो नदी में पानी के तेज बहाव के कारण उनके परिवार के सदस्य एक-दूसरे से बिछुड़ गए। उनके दोनों बड़े बेटे अजीत सिंह और जुझार सिंह उनके साथ चमकौर पहुंच गए जबकि माता गुजरी तथा दोनों छोटे बेटे जोरावर सिंह और फतेह सिंह अलग हो गए, जिनके साथ गुरु गोबिंद सिंह का निजी सेवक गंगू था। गंगू माता गुजरी और दोनों साहिबजादों को उनके परिवार से मिलाने का भरोसा देकर अपने गांव सहेड़ी ले गया और चंद सोने की मोहरों के लालच में इसकी खबर सरहिंद के नवाब वजीर खान को कर दी, जिसके बाद माता गुजरी और दोनों साहिबजादों को मुगलों द्वारा गिरफ्तार कर लिया।

साहिबजादों को वजीर खान के समक्ष पेश किया गया तो उसने उन्हें सिर झुकाकर खड़ा होने और इस्लाम धर्म अपनाने को कहा लेकिन इतने छोटे होकर भी दोनों ने सिर झुकाने और इस्लाम धर्म अपनाने से इन्कार करते हुए कहा कि हम अकाल पुरख और अपने गुरु पिता के अलावा किसी और के समक्ष सिर नहीं झुकाते। वजीर खां ने दोनों बच्चों को काफी ललचाया, डराया, धमकाया लेकिन वे टस से मस नहीं हुए। आखिरकार क्रूर वजीर खान ने दोनों को दीवार में जिंदा चुनवाने का आदेश दे डाला। जब उन्हें दीवार में चुना जाने लगा तो दोनों साहिबजादे जपुजी साहिब का पाठ करने लगे। 26 दिसम्बर 1705 को फतेह सिंह और जोरावर सिंह को दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया और इस प्रकार दोनों साहिबजादों ने अपने धर्म की खातिर हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहुति दे दी। दोनों इतने वीर थे कि दीवार पूरी बन जाने के बाद भी अंदर से इनके जयकारा लगाने की आवाजें आती रही।

कहा जाता है कि माता गुजरी को भी सरहिंद के किले से धक्का देकर मार डाला गया था। गुरु गोबिंद सिंह को जब इस घटनाक्रम के बारे में पता चला तो उन्होंने अपनी माता और छोटे साहिबजादों की शहादत से दुखी होने और मुगलों के अत्याचारों के समक्ष घुटने टेकने के बजाय औरंगजेब को एक जफरनामा (विजय पत्र) लिखा, जिसमें उन्होंने औरंगजेब को स्पष्ट चेतावनी दी कि तुम्हारे साम्राज्य को समाप्त करने के लिए खालसा पंथ तैयार हो चुका है। गुरु गोबिंद सिंह के सबसे बड़े

बेटे थे अजीत सिंह, जिन्होंने चमकौर के युद्ध में केवल 17 साल की आयु में ही मुगल फौज के छक्के छुड़ा दिए थे। तीर खत्म होने पर उन्होंने तलवार निकालकर दुश्मनों से युद्ध किया लेकिन युद्ध के दौरान तलवार टूट जाने पर वे वीरगति को प्राप्त हुए। उनकी शहादत के बाद गुरु जी के दूसरे बेटे जुझार सिंह ने रणभूमि में मोर्चा संभाला और अद्भुत वीरता का प्रदर्शन करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। खेलने-कूदने की छोटी सी उम्र में गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों का बलिदान आज की युवा पीढ़ी को अपने देश और धर्म से प्रेम करने और इनकी रक्षा के लिए कुछ भी कर गुजरने को तत्पर रहने का संदेश देता है।

हिजाब विवाद : क्रिया से खतरनाक प्रतिक्रिया

निर्मल रानी

देश में पिछले दिनों उस समय हिजाब को लेकर फिर एक बहस छिड़ गयी जबकि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गत 15 दिसंबर को पटना में एक सरकारी कार्यक्रम में नव नियुक्त आयुष डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र वितरित करते समय एक मुस्लिम महिला डॉक्टर नुसरत परवीन जोकि चेहरा ढंकने वाला हिजाब पहने हुई थीं, का हिजाब सार्वजनिक मंच से उसके चेहरे से खींच कर उतारने की कोशिश की। उस समय डॉक्टर नुसरत परवीन स्टेज पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथों नियुक्ति पत्र ग्रहण करने हेतु आमंत्रित की गयी थी। इस घटना ने वहां मौजूद सभी लोगों को स्तब्ध कर दिया। इस घटना से संबंधित वायरल वीडीओ में देखा जा सकता है कि घटना के समय जहाँ डॉक्टर नुसरत असहज दिखीं वहीं उसी मंच पर मौजूद बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी न केवल घटना से हतप्रभ नजर आये बल्कि उन्होंने नीतीश की ओर हाथ बढ़ाते हुये उन्हें हिजाब खींचने से रोकने की कोशिश भी की। जबकि उसी मंच पर मौजूद कुछ लोग हंसते हुये भी दिखायी दिये। इस घटना से एक बात तो साबित हो ही गयी कि नितीश कुमार जैसे अनुभवी राजनेता लगभग 75 वर्ष की आयु तक पहुँचने के बाद अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। इसी वजह से वे पहले भी महिलाओं को लेकर की गयी एक अत्यंत अभद्र टिप्पणी के लिये आलोचना का पात्र बन चुके हैं। कभी कभी सार्वजनिक मंचों पर उनकी बेतुकी बातें व उनकी असामान्य हरकतें भी यही संकेत देती कि अब वे उम्र के उस पड़ाव पर पहुंच चुके हैं जहां उन्हें सार्वजनिक सक्रिय राजनैतिक जीवन से सन्यास ले लेना चाहिये। परन्तु इस घटना के बाद जिस तरह से इसे परिभाषित करने की कोशिश की गयी वह और भी हैरान करने वाली बात थी। हिजाब खींचने की बहस को नितीश कुमार की मनोदशा से जोड़कर देखने के बजाये हिजाब धारण करने न करने को लेकर ही बहस छिड़ गयी। इस्लाम व मुस्लिम विरोध की राजनीति पर अपनी दुकानें चलाने वाले कुछ नेता तो बेशर्मी की सभी हदें पार करते हुये नितीश कुमार के बचाव में उतर आये। कांग्रेस, आर जे डी व अन्य कई विपक्षी दलों ने इसे महिलाओं और मुस्लिम समुदाय का अपमान बताया। किसी ने नितीश से मुआफी की मांग की तो किसी ने इस्तीफा माँगा। जबकि कुछ ने नीतीश की मानसिक स्थिति पर भी सवाल उठाए। परन्तु इस विषय पर सबसे घटिया, ओछी अपमानजनक प्रतिक्रिया देने वाले दो नेता ऐसे भी हैं जो केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री जैसे संवैधानिक पदों पर बैठकर इस मुद्दे पर जहर उगल रहे हैं तथा अपनी अशिष्ट शब्दावली से देश की संवैधानिक मयार्दाओं का मजाक उड़ा रहे हैं। इनमें नितीश कुमार के हिजाब विवाद पर अपनी पहली प्रतिक्रिया संसद भवन में देने वाले केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने नीतीश कुमार का खुलकर बचाव करते हुये कहा कि नितीश ने कुछ भी गलत नहीं किया है। नियुक्ति पत्र लेने आए व्यक्ति को चेहरा दिखाना चाहिए। क्या भारत कोई इस्लामिक देश है? एयरपोर्ट, पासपोर्ट या वोटिंग के समय चेहरा दिखाना पड़ता है, तो यहां क्यों नहीं? जब उनसे सवाल किया गया कि खबर है कि महिला डॉक्टर नुसरत परवीन के नौकरी छोड़ने की खबर है इस पर गिरिराज सिंह गुस्से में यह कहते सुनाई दिये कि नौकरी करे या जहन्नुम में जाए। उनका यह बयान सबसे ज्यादा विवादित रहा और इसे सांप्रदायिक व अपमानजनक बयान के रूप में देखा गया।

ऐसा ही निम्नस्तरीय बयान उत्तर प्रदेश सरकार में मत्स्य पालन मंत्री संजय निषाद द्वारा दिया गया। उन्होंने भी नीतीश कुमार का समर्थन करते हुये कहा कि अरे वो भी तो आदमी हैं न... नकाब छू दिया तो इतना बवाल? कहीं और छू देते तो क्या हो जाता? संजय निषाद के इस बयान को भी महिला गरिमा को आहत करने की नजरों से देखा गया। जे डी यू के नेता व बिहार के अल्पसंख्यक मंत्री जमा खान ने नितीश के प्रति अपनी वफादारी का सुबूत देते हुये यह कहा कि यह पिता जैसा स्नेह था। तो कुछ मुस्लिम व महिला संगठनों द्वारा इस मामले में एफ आई आर दर्ज कराने व कई जगह नितीश के विरुद्ध प्रदर्शन करने व उनका पुतला जलाने की भी खबरें हैं। परन्तु सबसे बड़ी चिंता का विषय तो यही है कि इस घटना को लेकर नितीश के मानसिक स्वास्थ पर चर्चा होने के बजाये जिसतरह हिजाब पर ही बहस छेड़ दी गयी और वह भी अपने कुतर्कों के द्वारा, इससे यह साबित होता है कि साम्प्रदायिकता की राजनीति करने वाले मुस्लिम विरोध या इस्लामी प्रतीकों के विरोध का कोई भी अवसर गंवाना नहीं चाहते। अन्यथा किसी केंद्रीय मंत्री के इस बेहूदे कुतर्क का क्या अर्थ कि एयरपोर्ट, पासपोर्ट या वोटिंग के समय चेहरा दिखाना पड़ता है, तो यहां क्यों नहीं? संविधान की शपथ लेने वाले इस केंद्रीय मंत्री गिरिराज को पता नहीं कि एयरपोर्ट, पासपोर्ट या वोटिंग के समय महिला सुरक्षा कर्मियों द्वारा किसी महिला की स्वेच्छा से उसके अपने हाथों से हिजाब या पर्दा हटाने को कहा जाता है न कि नितीश कुमार की तरह बदतमीजी से किसी के चेहरे से हिजाब खींचा जाता है? ऊपर से पीड़िता को ही यह कहना कि वह नौकरी करे या जहन्नुम में जाए, इस तरह की शब्दावली देश का एक केंद्रीय मंत्री इस्तेमाल कर रहा है?

बुर्का पर्दा या हिजाब को लेकर खुद विश्व मुस्लिम जगत में ही बड़ा घमासान है। दुनिया के कई अलग अलग इस्लामी देश अलग अलग तरह के परदे या हिजाब की पैरवी करते रहे हैं। जबकि विश्व का एक बड़ा उदारवादी व प्रगतिशील वर्ग ऐसा भी है जो इस तरह की बंदिशों को गैर जरूरी समझता है। कोई इसे इस्लामिक व शरिया से जुड़ी व्यवस्था बताता है तो कोई इसे सामाजिक या भौगोलिक जरूरतों का हिस्सा बताता है। कई महिलायें स्वयं इसका विरोध करती हैं तो कई इसे अपनी इस्मत से जोड़कर देखती हैं। परन्तु यहाँ बहस इन विषयों पर नहीं होनी चाहिये बल्कि बहस का विषय नितीश कुमार द्वारा हिजाब को लेकर की गयी उनकी अभद्र क्रिया होनी चाहिये। और इस क्रिया से भी खतरनाक उन प्रतिक्रियाओं पर चर्चा होनी चाहिये जोकि उच्च संवैधानिक पदों पर बैठे मंत्री स्तर के लोगों द्वारा व्यक्त की गयी हैं।

भारत की पारंपरिक चिकित्सा की रोशनी में विश्व-स्वास्थ्य

आज की दुनिया गहन और बहुआयामी स्वास्थ्य संकटों से गुजर रही है। एक ओर जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ, मानसिक तनाव, अवसाद, चिंता और असंतुलन तेजी से बढ़ रहे हैं, तो दूसरी ओर संक्रामक रोग, महामारी और पर्यावरणीय विषमताएँ मानव जीवन को निरंतर चुनौती दे रही हैं। इन परिस्थितियों के बीच यह स्पष्ट होता जा रहा है कि केवल आधुनिक एलोपैथिक चिकित्सा के सहारे वैश्विक स्वास्थ्य समस्याओं का संपूर्ण समाधान संभव नहीं है। यही कारण है कि विश्व समुदाय का ध्यान पुनः भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की ओर आकर्षित हो रहा है, जिनमें आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी और प्राकृतिक चिकित्सा जैसी पद्धतियाँ शामिल हैं। जिन्हें ह्यआयुषह्ल के नाम से जाना जाता है; ये प्रणालियाँ समग्र स्वास्थ्य, प्राकृतिक उपचार और शरीर-मन संतुलन पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जिनमें आयुर्वेद सबसे प्राचीन और सुव्यवस्थित प्रणालियों में से एक है, जो अपने दार्शनिक आधार और विविध उपचार विधियों के लिए प्रसिद्ध है। इन चिकित्सा प्रणालियों का आधार केवल रोग का उपचार नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के समन्वय के माध्यम से संपूर्ण स्वास्थ्य की अवधारणा है।

आयुर्वेद शरीर के तीन दोषों (वात, पित्त, कफ) के संतुलन पर केंद्रित; आहार, जीवनशैली, जड़ी-बूटी और पंचकर्म (शुद्धिकरण) जैसी तकनीकों का उपयोग करती है। अष्टांग आयुर्वेद अर्थात कायचिकित्सा (आंतरिक चिकित्सा), शल्य (सर्जरी), कौमारभृत्य (बाल चिकित्सा), भूतविद्या (मनोविज्ञान), अगद तंत्र (विष विज्ञान), रसायन (जराचिकित्सा), वाजीकरण (प्रजनन) और शालक्य (नेत्र/कान/नाक) में विभाजित है। आयुर्वेद की ही भाँति योग भी एक पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली है जो शारीरिक आसन (आसन), प्राणायाम (सांस लेने के व्यायाम), ध्यान (मेडिटेशन) और नैतिक सिद्धांतों के माध्यम से मन-शरीर के समन्वय पर केंद्रित है। इसी तरह प्राकृतिक चिकित्सा में मिट्टी, पानी, धूप और आहार जैसी प्राकृतिक तरीकों से शरीर की स्व-उपचार क्षमता को बढ़ावा देती है। यूनानी चिकित्सा प्रणाली भी भारत में प्रचलित है, यूनान से आई यह प्रणाली शरीर के चार हमर (रक्त, बलगम, पीला पित्त, काला पित्त) के संतुलन पर जोर देती है और पर्यावरण के प्रभाव को मानती है। सिद्ध चिकित्सा प्रणाली मुख्यतः दक्षिण भारत में प्रचलित है, जिसमें जड़ी-बूटियों और धातुओं से बनी दवाओं का उपयोग और योग व ध्यान पर जोर दिया जाता है। सोवा-रिग्पा पहाड़ों की चिकित्सा प्रणाली है, हिमालयी क्षेत्रों (जैसे लद्दाख, सिक्किम) में प्रचलित है, जिसे ह्यतिब्बती चिकित्साह्ल के रूप में भी जाना जाता है। भारत सरकार का आयुष मंत्रालय राष्ट्रीय आयुष मिशन के माध्यम से इन प्रणालियों के विकास, अनुसंधान और मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवा में एकीकरण को बढ़ावा देता है। ये प्रणालियाँ प्राचीन भारतीय ज्ञान पर आधारित हैं और अब वैश्विक स्वास्थ्य मंच पर भी अपनी पहचान बना रही हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की इन पारंपरिक चिकित्सा को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठा दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई है। उन्होंने इसे केवल सांस्कृतिक धरोहर के रूप में नहीं, बल्कि भविष्य की एक प्रभावी, सुलभ और टिकाऊ स्वास्थ्य व्यवस्था के रूप में प्रस्तुत किया है। उनके नेतृत्व में आयुष मंत्रालय की स्थापना, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुरूआत, विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ पारंपरिक चिकित्सा को लेकर साझेदारी और वैश्विक सम्मेलनों का आयोजन इस दिशा में ठोस कदम हैं। हाल ही में नई दिल्ली में पारंपरिक चिकित्सा पर दूसरा वैश्विक शिखर सम्मेलन इस बात का प्रमाण है कि भारत अब इस क्षेत्र में केवल सहभागी नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री की ओमान यात्रा के दौरान आयुष और हर्बल उत्पादों के निर्यात में हुई वृद्धि इस परिवर्तनशील परिदृश्य को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। 61.1 मिलियन डॉलर से बढ़कर 65.1 मिलियन डॉलर तक पहुँचना केवल आर्थिक आँकड़ा नहीं है, बल्कि यह वैश्विक विश्वास का संकेत है। दुनिया के अनेक देश यह समझने लगे हैं कि भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियाँ न केवल सस्ती और सुलभ हैं, बल्कि दीर्घकालिक स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करती हैं। यह तथ्य और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब विश्व की लगभग एक चौथाई आबादी आर्थिक कारणों से बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित है। ऐसे में पारंपरिक चिकित्सा एक व्यवहारिक विकल्प के रूप में उभरती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज भी दुनिया के लगभग 170 देशों में 40 से 90 प्रतिशत आबादी किसी-न-किसी रूप में पारंपरिक चिकित्सा का उपयोग करती है। यह आँकड़ा इस धारणा को तोड़ता है कि पारंपरिक चिकित्सा केवल विकासशील देशों तक सीमित है। वास्तव में विकसित देशों में भी योग, आयुर्वेदिक उपचार, हर्बल औषधियाँ और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति रुचि लगातार बढ़ रही है। इसका एक बड़ा कारण आधुनिक चिकित्सा से जुड़े दुष्प्रभाव, अत्यधिक दवाओं पर निर्भरता और महँगी उपचार प्रक्रियाएँ हैं। एलोपैथिक चिकित्सा ने जहाँ त्वरित राहत और शल्य चिकित्सा में अद्भुत प्रगति की है, वहीं इसके साथ दवाओं के साइड इफेक्ट, एंटीबायोटिक प्रतिरोध और दीर्घकालिक जटिलताएँ भी जुड़ी हैं। इसके विपरीत भारतीय पारंपरिक चिकित्सा रोग की जड़ तक पहुँचने का प्रयास करती है। आयुर्वेद शरीर की प्रकृति, दोषों के संतुलन और जीवनशैली के सुधार पर बल देता है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक शांति, एकाग्रता और आत्मिक संतुलन का मार्ग है। इन पद्धतियों का उद्देश्य रोग को दबाना नहीं, बल्कि शरीर की स्वाभाविक उपचार क्षमता को जाग्रत करना है। यही कारण है कि इन्हें अपेक्षाकृत सुरक्षित, कम दुष्प्रभाव वाली और दीर्घकालिक स्वास्थ्य के लिए उपयोगी माना जाता है।

पारंपरिक चिकित्सा के दूसरे वैश्विक शिखर सम्मेलन में भारत ने इस दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से दुनिया के सामने रखा। ब्राजील, संयुक्त अरब अमीरात, मलेशिया, मेक्सिको, नेपाल, श्रीलंका सहित 16 देशों के साथ द्विपक्षीय बैठकों ने यह स्पष्ट कर दिया कि पारंपरिक चिकित्सा अब कूटनीति और वैश्विक सहयोग का भी एक सशक्त माध्यम बन चुकी है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जारी किया गया ह्यआयुष मार्कह्ल एक ऐतिहासिक पहल है, जो आयुष उत्पादों और सेवाओं के लिए गुणवत्ता का वैश्विक मानक स्थापित करेगा। इससे न केवल उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ेगा, बल्कि भारतीय उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता भी मजबूत होगी। हालाँकि यह भी सत्य है कि पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में कुछ चुनौतियाँ मौजूद हैं। गुणवत्ता नियंत्रण, मानकीकरण, वैज्ञानिक शोध और प्रमाणिकता के प्रश्न लंबे समय से उठते रहे हैं। कई बार अप्रमाणित दावे और मिलावटी उत्पाद इस पूरी प्रणाली की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा देते हैं। किंतु ह्यआयुष मार्कह्ल जैसी पहलों और वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देकर इन चुनौतियों से निपटा जा सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के बीच सेतु बनाया जाए, ताकि दोनों की श्रेष्ठताओं का समन्वय हो सके।

आज जब वैश्विक आबादी का एक बड़ा हिस्सा, लगभग 4.6 अरब लोग, पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित हैं, तब भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियाँ आशा की किरण बन सकती हैं। ये प्रणालियाँ न केवल रोगों के उपचार में सहायक हैं, बल्कि रोकथाम और स्वास्थ्य संवर्धन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संतुलित आहार, नियमित योगाभ्यास, प्राकृतिक औषधियों और मानसिक अनुशासन के माध्यम से अनेक बीमारियों को प्रारंभिक स्तर पर ही नियंत्रित किया जा सकता है। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण दूरदर्शी कहा जा सकता है। उन्होंने पारंपरिक चिकित्सा को अतीत की विरासत के रूप में नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकता के रूप में देखा है। वैश्विक मंचों पर भारत की इस चिकित्सा परंपरा को स्थापित करने के उनके प्रयास यह संकेत देते हैं कि आने वाले वर्षों में विश्व स्वास्थ्य व्यवस्था में भारत की भूमिका और भी सशक्त होगी। जब आधुनिक चिकित्सा की सीमाएँ स्पष्ट हो रही हैं और विश्व एक समग्र, सुलभ और मानवीय स्वास्थ्य मॉडल की तलाश में है, तब भारतीय पारंपरिक चिकित्सा न केवल भारत के लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक प्रभावी विकल्प के रूप में उभर रही है। यही इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि और भविष्य की सबसे बड़ी संभावना है।

अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर सादगीपूर्ण श्रद्धांजलि, स्थानीय नेताओं ने किया स्मरण

हसनपुर/अमरोहा(सब का सपना):- भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर जनपद अमरोहा के हसनपुर विधानसभा क्षेत्र के हसनपुर मंडल अंतर्गत बूथ संख्या 61, नगर होली चौक स्थित संजय गर्ग के आवास पर एक सादगीपूर्ण लेकिन भावपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अटल जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उपस्थितजनों ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उनके जीवन व कार्यों को याद किया।

कार्यक्रम में अटल जी को भारतीय राजनीति का एक अनन्य शिखर पुरुष बताया गया। वक्ताओं ने कहा कि अटल जी शालीनता, विचारशीलता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने वाले नेतृत्व के प्रतीक थे। उनके निर्णयों में दूरदर्शिता झलकती थी, जबकि उनके कार्यों में देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का दृढ़ संकल्प नजर आता था। सांसद रहते हुए और प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने भारत को स्थिरता, विकास और वैश्विक पटल पर सम्मान दिलाने वाली मजबूत दिशा प्रदान की। उत्तर प्रदेश की मिट्टी से निकलकर उन्होंने पूरे राष्ट्र को प्रेरणा का संदेश दिया, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बनेगा। इस अवसर पर हसनपुर नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने कहा कि अटल जी के आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं और हमें उनके मार्ग पर चलकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य चंद्रपाल खड़कबंशी ने अटल जी की कविताओं और भाषणों का जिक्र करते हुए कहा कि वे न केवल राजनेता थे, बल्कि एक महान कवि और वक्ता भी थे। कार्यक्रम में पूर्व नगर अध्यक्ष अतुल गर्ग, भाजपा नेता अर्पण गुप्ता, विक्रांत शर्मा, संजय गर्ग, राजीव अग्रवाल, सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नंदराम एडवोकेट, नवीन रस्तौगी, विशाल वर्मा, धर्मेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने अटल जी के योगदान पर चर्चा की और उनके स्मरण में एकजुट होकर भावांजलि दी।

ब्लॉक संसाधन केंद्र पर पूर्व प्रधानमंत्री की मनाई गई जयंती

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के ब्लॉक संसाधन केंद्र चन्दनपुर खादर पर भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जयंती बड़े ही धूमधाम के साथ मनाई गई। उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी गंगेश्वरी अनिल कुमार ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई सुशासन के शाश्वत आदर्श, सहजता एवं सहृदयता के प्रतीक एवं प्रेरणा पुरुष रहे हैं। वह बहुत अच्छे कवि एवं लेखक भी रहे हैं।उनकी दूरगामी नीति के चलते भारत प्रत्येक क्षेत्र में अग्रणी रहा। साथ ही उन्होंने भारत की उन्नति के

लिए अपना सम्पूर्ण जीवन न्यौछावर कर दिया।पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई को'भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उनके जन्मदिन को सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है। हम सभी को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। उपस्थित सभी वक्ताओं ने उनके जीवन परिचय एवं जीवन संघर्ष पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह, वरिष्ठ लिपिक जयपाल सिंह, वरिष्ठ संकुल शिक्षक प्रमोद कुमार,कार्यालय सहायक राहुल सागर, फैजान हस्मत, नाजिर अली, हिरदेश वर्मा, रूपेन्द्र सिंह, मनोज कुमार, दीपचंद सिंह, जितेन्द्र सिंह,नरेश कुमार आदि मौजूद रहे।

गजरौला में डॉ.आशुतोष भूषण शर्मा के निधन पर नगर ब्राह्मण सभा के लोगों ने रखी शोक सभा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर में बृहस्पतिवार को नगर स्थित ज्ञान भारती इंटर कॉलेज में नगर ब्राह्मण सभा के सदस्यों द्वारा एक शोक सभा का आयोजन किया गया ।जिसमें अभी कुछ दिन पहले हुए डॉक्टर आशुतोष भूषण शर्मा जी के निधन पर सभा में उपस्थित लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया। शोकसभा में उपस्थित पूर्व चेयरमैन एवं नगर ब्राह्मण सभा के संरक्षक रोहिताश शर्मा ने कहा कि डॉक्टर आशुतोष भूषण शर्मा का अचानक हमारे बीच से चले जाना ब्राह्मण समाज के साथ-साथ सर्व समाज के लिए भारी

क्षति का विषय है ।बता दें कि अभी बीते दो-तीन दिन पहले ही नगर के मोहल्ला लक्ष्मी नगर निवासी डॉ आशुतोष भूषण शर्मा का गंभीर बीमारी के चलते निधन हो गया था। इसके अलावा शोक सभा में उपस्थित सभी ब्राह्मण समाज के लोगों ने उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की ओर 2 मिनट का मौन भी रखा। इस अवसर पर सभा के संरक्षक रोहतास शर्मा उपाध्यक्ष, ओपी शर्मा ,महामंत्री योगेश प्रभाकर, कोषाध्यक्ष अश्वनी शर्मा ,डॉक्टर राजीव शुक्ला ,देवेश शर्मा ,श्याम सुंदर कौशिक, मदनपाल शर्मा ,प्रमोद उपाध्याय ,रोहित शर्मा ,पंकज शर्मा, देवेश शर्मा ,मनोज शर्मा ,सार्थक शर्मा, विनीत शर्मा ,अंकुर शर्मा, नरेश शर्मा, अनूप शर्मा ,मोहित शर्मा ,सहित दर्जनों से अधिक सभा के सदस्य गण मौजूद रहे।

धनौरा में भाजपा कार्यकताओं व अधिकारियों ने मनाई अटल बिहारी वाजपेई की जयंती

मंडी धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जयंती को भाजपा कार्यकताओं एवं अधिकारियों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर मनाया और उन्हें याद किया। इस दौरान वहां उपस्थित धनौरा अध्यक्ष और भाजपा जिला उपाध्यक्ष ने अपने विचार व्यक्त किये। बता दें कि गुरुवार को मंडी धनौरा नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जयंती के अवसर पर कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें केवल अटल जी को ही नहीं बल्कि उनके विचारों और मूल्यों को भी याद रखना चाहिए। वहीं इस कार्यक्रम में उपस्थित जिला उपाध्यक्ष शरद गर्ग ने बताया कि 25 दिसंबर 1924 को ग्वालियर में जन्मे अटल बिहारी वाजपेई ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में कार्य किया, उन्होंने जन संघ और भाजपा के माध्यम से राष्ट्र सेवा करते हुए भारतीय लोकतंत्र में एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व के रूप में अपनी पहचान बनाई ।प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने राजनीति की विचारधारा को समावेशी राष्ट्रीयता का स्वरूप दिया और गांव को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष शरद गर्ग, मंडल अध्यक्ष गौरव अग्रवाल ,सभासद दुलीचंद बिहार, राजू बादशाह, सतीश, राजेंद्र और प्रत्यक्ष शर्मा सहित कई अन्य लोगों ने अटल बिहारी वाजपेई को पुष्पांजलि अर्पित की। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित प्रकाशचंद ने अटल जी के कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियां पर प्रकाश डाला उन्होंने बताया कि स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना ने देश को भौगोलिक रूप से जोड़ा ,प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने गांव को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा, किसान फसल बीमा योजना ने किसानों को संबल प्रदान किया और दूरसंचार क्रांति ने भारत को डिजिटल भविष्य की ओर अग्रसर किया ,इस अवसर पर एआरपी सत्य प्रकाश गौतम, रोहताश सिंह, शिक्षित कुमार और सुनील कुमार भी उपस्थित रहे

भारतरत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी के अवसर पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

अमरोहा (सब का सपना):- पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी समारोह का आयोजन गांधी सभागार कलेक्ट्रेट परिसर अमरोहा में किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि सांसद अमरोहा कंवर सिंह तंवर , जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स , वरिष्ठ भाजपा नेता राम सिंह सैनी , अश्वनी कुमार मिश्र मुख्य विकास अधिकारी अमरोहा एवं जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 प्रवेश कुमार ने ज्ञान की देवी मां शारदा एवं श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण कर विधिवत रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अमरोहा की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं शर्मा देवी कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। अतिथियों का बुके एवं फूलमालाओं से स्वागत किया। भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी के अवसर पर एकल काव्य पाठ, भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता के तहसील स्तर के विजेताओं जनपद स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन रमाबाई अंबेडकर डिग्री कॉलेज गजरौला में दिनांक 23 दिसंबर को किया गया था। समारोह में जनपद स्तरीय प्रतियोगिता के विजेताओं ने भाषण एवं एकल काव्य पाठ किया। समारोह के मुख्य अतिथि सांसद कंवर सिंह तंवर ने कहा कि भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी का जीवन चरित्र, राष्ट्र के प्रति उनकी निष्ठा और समर्पण हमेशा देश और समाज को प्रेरणा देता रहेगा। अटल जी के विचार हमें सच्चाई और साहस का मार्ग दिखाते हैं। उनकी कविताएं दिल को छूती हैं। उनके भाषण राष्ट्र प्रेम सिखाते हैं। उन्होंने अटल जी का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने ही संयुक्त राष्ट्र सभा में हिंदी में प्रथम भाषण दिया था। आज हम सबके लिए श्रद्धेय अटल जी का जीवन चरित्र प्रेरणा का स्रोत है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी एक राजनेता ही नहीं थे, वे विचारों की ऊंचाई, संवाद की मयार्दा और राष्ट्र हित के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक थे। उनका जीवन हम सबके लिए अनुकरणीय हैं उनके जन्म जयंती के अवसर पर हमें समाज में फैली कुरीतियों को दूर कर संस्कारवान चरित्रवान बनकर राष्ट्र एवं समाज की सेवा करने का संकल्प लेना चाहिए। वरिष्ठ भाजपा नेता राम सिंह सैनी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई का स्मरण करते हुए उनके जीवन चरित्र एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी का जीवन चरित्र हम सबके लिए प्रेरणा दायक है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण के अनुकरणीय कार्य किए है। स्वर्णिम चतुर्भुज योजना, नदियों को नहरों से जोड़ना आदि योजनाएं राष्ट्र को लाभान्वित करती रहेंगे। जनपद स्तरीय एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता के प्रथम विजेता कुमारी नंदिता राव सुखदेवी कन्या इंटर कॉलेज हसनपुर को ड्3000 का चेक एवं प्रमाण पत्र, द्वितीय विजेता श्रेया सिंह तोमर अनेकांत डिग्री कॉलेज गजरौला को रु 5000 का चेक एवं प्रमाण पत्र, तृतीय विजेता कुमारी आरती गिरी रमाबाई अंबेडकर डिग्री कॉलेज गजरौला को ड्2500 का चेक एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इसी प्रकार भाषण प्रतियोगिता की प्रथम विजेता दुर्गेश्वरी देवी जे0 ए0 हिंदू डिग्री कॉलेज अमरोहा को ड्10000 का चेक एवं प्रमाण पत्र, द्वितीय विजेता राबिया रमाबाई अंबेडकर डिग्री कॉलेज गजरौला को ड्5000 का चेक एवं प्रमाण पत्र देकर के सम्मानित किया। इसी तरह से निबंध प्रतियोगिता के प्रथम विजेता कुमारी अर्शी आले अहमद कन्या इंटर कॉलेज अमरोहा को ड्5000 का चेक एवं प्रमाण पत्र मोहम्मद अदनान श्री राम किसान इंटर कॉलेज बादशाहपुर को ड्3000 का चेक एवं प्रमाण पत्र, मो0 नूरैन राजकीय इंटर कॉलेज मिट्ठेपुर को ड्2000 का चेक एवं प्रमाण पत्र देकर के सम्मानित किया गया। डॉ प्रवेश कुमार जिला विद्यालय निरीक्षक ने पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी अटल बिहारी वाजपेयी जी को श्रद्धा सुमन अर्पित कर सभी अतिथियों एवं समारोह में उपस्थित जन का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर श्वेता अग्रवाल, स्नेह लता, चारु शर्मा, कीर्ति, डॉक्टर जी0पी0 सिंह, डॉ0 जमशेद कमाल डॉ0 धर्म सिंह, पवन कुमार त्यागी, अनिल कुमार यादव विजयपाल सिंह, संजीव कुमार, राजेंद्र सिंह, विकास कुमार महेश चंद्र उपाध्याय, महिपाल सिंह आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मदनपाल सिंह जिला समन्वयक समग्र शिक्षा माध्यमिक ने किया।

प्रतिमा अटल चौक पर नगर पालिका परिषद द्वारा मनाई गई अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती

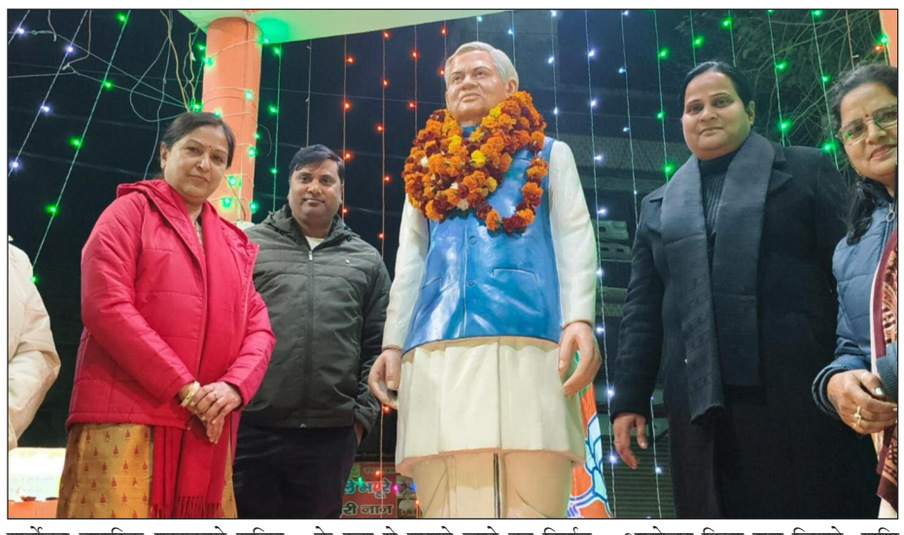

अमरोहा (सब का सपना):- भारत के पूर्व प्रधानमंत्री,भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती (सुशासन दिवस) के अवसर पर नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा निर्मित अटल जी की प्रतिमा अटल चौक पर नगर पालिका परिषद अमरोहा की अध्यक्ष शशि जैन व जनपद की अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) गरिमा सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। इस सम्बन्ध मे जानकारी देते हुए नगर पालिका परिषद अमरोहा के उप नगर आयुक्त डॉ. बृजेश कुमार द्वारा बताया गया की भारत के जनप्रिय प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी जी का जन्म 25 दिसंबर 1924 को ग्वालियर (मध्य प्रदेश)मे हुआ, वह देश के बड़े राजनेता, कवि तथा लेखक रहे। उनकी पहचान भारतीय राजनीती के प्रखर वक्ता के रूप मे रही वह कुल तीन बार भारत के प्रधानमंत्री के पद पर आसीन हुए, अटल जी के प्रधानमंत्री के रूप मे कार्यकाल को विभिन्न योजनाओं, कुशल विदेश नीति, जनप्रिय सरकार व विकास युग के रूप मे जाना जाता है। अटल बिहारी बाजपेयी जी को कई देशो के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारो सहित पदम विभूषण, श्रेष्ठ सांसद पुरस्कार सहित भारत के सर्वोच्च भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी को भारतीय राजनीती के कुशल योद्धा, विकास पुरुष एवं सुशासन का जनक माना जाता है। भारतीय राजनीती एवं समाज मे श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी के योगदान को देखते हुए शासन द्वारा इनकी जयंती को सुशासन दिवस के रूप मे मनाये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसके क्रम मे जनपद स्तर पर विभिन्न शैक्षिक, सामाजिक, राजनैतिक, खेल स्पर्धाओ का आयोजन किया जा रहा है।

नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा इस अवसर पर आज विभिन्न वार्डो मे विशेष सफाई अभियान चलाया गया है। पालिका द्वारा निर्मित नगर के अटल चौक पर आज दीप प्रज्वलन आयोजन किया गया जिसमे शशि जैन, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद अमरोहा व गरिमा सिंह अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) द्वारा पालिका के सभासदगण की उपस्थिति मे दीप प्रज्जवलन कर स्व. अटल बिहारी बाजपेयी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर समस्त पालिका अधिकारी / कर्मचारी व आमजन बड़ी संख्या मे उपस्थित रहे।

सालाना दीवान के अवसर पर शब्द कीर्तन एवं गुरुवाणी कार्यक्रम का आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- गुरुद्वारा श्री दशमेश पातशाह दरबार साहिब ग्राम अफजलपुर लूट के सालाना दीवान मौके पर भाजपा नेता व जिला पंचायत सदस्य डॉक्टर सोरन सिंह चौधरी द्वारा शब्द कीर्तन एवं गुरुवाणी का कार्यक्रम का आयोजन कराया गया जिसमें गुरु का अटूट लंगर वर्षा, निशान साहिब की सेवा, कीर्तन, अखंड पाठ,भोग, आनंद साहिब जी का पाठ किया गया। क्षेत्र से आए सम्मानित लोगों ने इस कार्यक्रम में सहभागिता की। इस मौके पर डॉक्टर सोरन सिंह चौधरी ने कहा कि सिख गुरुओं का एक गौरवशाली इतिहास है गुरु नानक देव जी से लेकर गुरु गोविंद सिंह महाराज तक भक्ति व शक्ति का एक अद्भुत समन्वय जो प्रत्येक भारतीय के मन में न केवल धर्म और संस्कृति के

संरक्षण के प्रति बल्कि प्रत्येक भारतीय को अपने मातृभूमि के प्रति भी उतना ही ग्राही बनाता है। गुरु तेग बहादुर महाराज ने उस कालखंड में जब यह देश औरंगजेब के अत्याचार से कराह रहा था,जबरन धर्मांतरण हो रहे थे, जबरन सनातन धर्म को नष्ट करने के लिए उसके क्रूर अत्याचार चरम पर थे, केवल कश्मीर ही नहीं पूरा हिंदुस्तान कराह रहा था तब भी औरंगजेब की बर्बरता के खिलाफ सिखों ने मजबूती के साथ आवाज उठाई थी।सिख गुरु जहां भी गए शक्ति और विश्वास का प्रकाश फैलाया उनका जीवन और शिक्षाएं पीढीयो को राष्ट्र, धर्म और मानवता के लिए निस्वार्थ रूप से समर्पित रहने के लिए प्रेरित करती हैं! मध्यकाल में जब विधर्मियों के आतंक से देश धर्म और मानवता के साथ हमारी बहन बेटियों की इज्जत खतरे में थी स्वयं की अस्तित्व के

लिए मानवता गुहार लगा रही थी, उस कालखंड में मानवता के कल्याण के लिए जो प्रकाश पुंज प्रकट हुआ, जिन्होंने मानवता कल्याण के लिए अपने उपदेशों और जान जागरण के माध्यम से एक बड़े अभियान को अपने हाथों में लिया, उन प्रकाश पुंज को हम गुरु नानक देव के नाम से जानते हैं। इस मौके पर मुख्य रूप से रिशाल कौर, चौ.चमन सिंह मेहंमदी, अक्षत चौधरी, सौरभ सिराव मुकुल चौधरी,उपेंद्र, विशाल शर्मा, ओमपाल सिंह, तेजपाल सिंह, रामपाल सिंह, आशीष शर्मा सरदार गुरमीत सिंह,सरदार मोहन सिंह, सरदार चरण सिंह,सरदार गुरु प्रीत सिंह,नितिन सिंह, राजेश चौधरी, गुरमल सिंह, जयपाल सिंह, सरदार बलवंत सिंह, सरदार हरपाल सिंह, मनोज चौधरी, सोनू चाहल मुख्य रूप से रहे।

गजरौला में मनाई गई अटल बिहारी बाजपेई व मदन मोहन मालवीय की जयंती, किया तुलसी पूजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर के मोहल्ला अल्लीपुर भूड़ हसनपुर रोड गजरौला में भारत रत्न,पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक हरपाल सिंह ने भाजपा कार्यकताओं के साथ अटल बिहारी वाजपेई के चित्रपर पुष्प अर्पित कर याद करते हुए कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई ने परमाणु संपन्न देश बनाकर देश का नाम भारत में ही नहीं पूरे विश्व में रोशन किया।बाजपेई ही स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद एक ऐसे नेता हुए हैं जिनका सम्मान विपक्ष भी करता था आज हम सबको बाजपेई से प्रेरणा लेकर उनके बताएं मार्ग पर चलने की आवश्यकता है ।निवर्तमान मंडल अध्यक्ष डॉ उत्तम सिंह प्रजापति ने कहा कि भाजपा ही नहीं बल्कि सर्व समाज के प्रिय नेता के रूप में वाजपेई जी माने जाते हैं उनका जीवन आमजन और भारत माता की सेवा में समर्पित रहा हैं ।पिछड़ा मोर्चा

मंडल अध्यक्ष एडवोकेट मनमोहन सिंह सैन ने कहा कि 14 वर्ष तक की आयु के बच्चों को सर्व शिक्षा अभियान से जोड़कर शिक्षित भारत का सपना श्रद्धेय अटल वाजपेई ने दिखाए। एडवोकेट सेन ने इस अवसर पर अटल बिहारी वाजपेई की प्रिय कविता ठन गई मौत से ठन गई,जूझने का मेरा इरादा न था कविता की पंक्तियां भी पढ़कर सुनाई।इस अवसर पर विधायक हरपाल सिंह ,निवर्तमान मंडल अध्यक्ष डॉ. उत्तम सिंह प्रजापति, पिछला मोर्चा मंडल अध्यक्ष एडवोकेट मनमोहन सिंह सेन, महिपाल सिंह, चौहान गुड्डू, डॉ राजीव शुक्ला,डॉ रवि सैनी, सचिन सैनी, गोपाल कृष्णा, अभीषेक उर्फ. डेनी, नारायन दास, जगुआ सैनी, योगेश कुमार आदि उपस्थित रहें।

सुशासन दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित भाषण व रंगोली का भी आयोजन

बरेली से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत नृत्य और नाटक ने दर्शकों को कर दिया मंत्रमुग्ध

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- केन्द्रीय संचार ब्यूरो के क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा ग्राम पथरा स्थित डा० भीमराव अंबेडकर जूनियर हाईस्कूल में 'सुशासन दिवस' के अवसर पर एक उत्साहपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष लता वार्ष्णेय ने शिरकत की और सरकारी योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण विकास पर जोर दिया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि लता वार्ष्णेय के स्वागत से हुई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, सरकार की विकसित भारत जी राम जी ग्रामीण

रोजगार की नयी गारंटी योजना से लोग लाभान्वित होंगे। इससे उनकी आय में वृद्धि होगी और वे अपने परिवार का बेहतर पालन-पोषण कर सकेंगे। उनका यह उद्धरण उपस्थित जनसमूह में उत्साह का संचार कर गया। ग्राम पथरा की पूनम ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा, बच्चे हमारा कल का भविष्य हैं। वे पढ़-लिखकर अपना उज्ज्वल भविष्य बनाएं, ताकि देश के जिम्मेदार नागरिक बन सकें। वहीं, स्कूल के संचालक महानन्दन गौतम ने बताया, सरकार की विभिन्न योजनाओं से जनता को लाभान्वित किया जा रहा है। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से पैसा सीधे बैंक खातों में भेजा जा रहा है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है। कार्यक्रम में रंगोली, भाषण और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूल की छात्राओं अनुष्का, प्रिया कुमारी, मदीहा, सायमीन, नगमा, आरुषि, कविता, अंशिका, प्रतिज्ञा गौतम, इच्छा, ललित, गुलाम नबी आदि ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पुरस्कार जीते। विशेष रूप से बंधन नृत्य नाटक संस्था, बरेली के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत नृत्य और नाटक ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के संचालन में प्रधानाचार्या आशा गोस्वामी, प्रबंधक ममता रानी, प्रवीण कुमार, शामिल खान, ब्रजबाला वार्ष्णेय, रचना वार्ष्णेय और देवराज ने विशेष सहयोग प्रदान किया। अंत में, केन्द्रीय संचार ब्यूरो के प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर नीरज कुमार शर्मा, सत्येंद्र सिंह, सत्यपाल सिंह, शिवगणेश शर्मा, अश्वनी शर्मा, रमन शर्मा, रंजीत कुमार, सीमा अग्रवाल, रिनी अग्रवाल, आभा रानी, क्षमता, सुशीला, शालू, काजल राजकुमारी, योगेश, वंशिका, रेशमा, अनामिका यादव, रंजीत कौर, प्रमोद कुमार, दुर्गेशनंदिनी, गीता श्याम सिंह आदि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

यातायात जागरूकता अभियान चलाकर ई-रिक्शा और ऑटो चालकों को दिए सुरक्षा निर्देश

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- जनपद के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में बुधवार को कस्बा चंदौसी में सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को रोकना और वाहन चालकों में नियमों का पालन सुनिश्चित करना था। अभियान के दौरान यातायात पुलिस ने ई-रिक्शा और ऑटो रिक्शा चालकों को संबोधित करते हुए मोटर वाहन अधिनियम के तहत बिना रजिस्ट्रेशन के वाहन चलाने पर सख्त चेतावनी दी। पुलिस ने स्पष्ट निर्देश दिए कि बिना पंजीकरण के वाहन संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित है और ऐसा करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम पर विशेष जोर देते हुए चालकों को रात्रि समय और कोहरे

या कम दृश्यता वाली स्थितियों में वाहनों की स्पष्ट पहचान के लिए रिफ्लेक्टर टेप लगाने के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। पुलिस ने बताया कि रिफ्लेक्टर टेप लगाने से दूर से वाहन दिखाई देते हैं, जिससे हादसों का खतरा काफी कम हो जाता है। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने, सुरक्षित और नियंत्रित गति से वाहन चलाने तथा खुद की और अन्य सड़क उपयोगकताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। अभियान में चालकों से अपील की गई कि वे नियमों का उल्लंघन न करें और सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता दें।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ऐसे जागरूकता अभियान नियमित रूप से चलाए जाते रहेंगे ताकि जनपद में यातायात व्यवस्था सुचारू और सुरक्षित बनी रहे। इस अभियान से स्थानीय चालकों में सकारात्मक प्रतिक्रिया देखी गई।

सीओ आलोक भाटी ने किया निरीक्षण फायरिंग अभ्यास की तैयारियों की समीक्षा

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी संभल आलोक भाटी ने बृहस्पतिवार को आरटीसी केंद्र, ईश्वर दास टेक्निकल इंस्टीट्यूट बहजोई का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रशिक्षण व्यवस्थाओं, संसाधनों और अनुशासन संबंधी पहलुओं का गहन अवलोकन किया गया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। निरीक्षण के अवसर पर आरटीसी बहजोई में प्रशिक्षुओं के

लिए फायरिंग के मूल सिद्धांतों, शस्त्रों की सुरक्षित हैंडलिंग तथा आगामी फायरिंग अभ्यास की तैयारियों पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में शस्त्रों के सुरक्षित उपयोग, मानक सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन और अनुशासन के महत्व पर जोर दिया गया। क्षेत्राधिकारी आलोक भाटी ने आगामी फायरिंग अभ्यास को पूरी तरह सुरक्षित, सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए। इस पहल से पुलिस प्रशिक्षुओं की क्षमता में और निखार आने की उम्मीद है।

सम्भल यूथ ट्रस्ट ने कड़ाके की ठंड में गरीबों को लिहाफ वितरित कर मानवता की मिसाल कायम की

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश के संभल में पड़ रही कड़ाके की ठंड के बीच सम्भल यूथ ट्रस्ट ने मानवता की मिसाल कायम की है। ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने गरीब और असहाय लोगों के बीच करीब 200 लिहाफ (कंबल) वितरित किए, ताकि रात की ठिठुरन में उन्हें राहत मिल सके। ट्रस्ट ने बेगम सराय क्षेत्र में ये लिहाफ तैयार कराए और रात्रि के समय जरूरतमंदों तक पहुंचाए। विशेष रूप से उन लोगों को प्राथमिकता दी गई जो फुटपाथों और सड़क किनारे खुले आसमान के नीचे रात गुजारते हैं। वितरण संभल नगर के अलावा मुरादाबाद रेलवे स्टेशन

के बाहर भी किया गया, जहां ठंड से ठिठुरते यात्रियों और बेसहारा लोगों को गर्म लिहाफ ओढ़ाकर राहत प्रदान की गई। इस नेक कार्य में ट्रस्ट के पदाधिकारी मौहम्मद दिलशाद, हाफिज तंजीम आलम डिलक्स, नाजिश मुख्तार, समीर वाहिद, मौ. रहबर, मयंक कुमार आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई। हाफिज तंजीम आलम ने कहा, "ट्रस्ट की ओर से हर साल सर्दियों में गरीब और असहायों के बीच लिहाफ वितरित किए जाते हैं। यह हमारी परंपरा है।" वहीं, रहबर ने जोर देकर कहा कि यह पुण्य का कार्य है, जिसमें जाति या मजहब नहीं, बल्कि सिर्फ जरूरतमंद को देखा जाता है। समीर वाहिद ने अपील की कि समाज में ऐसे कार्य निरंतर होते रहने चाहिए, ताकि कोई भी ठंड की मार से असहाय न रहे।

इस पहल से सैकड़ों गरीब परिवारों के चेहरों पर मुस्कान आई और ठंड के इस मौसम में उन्हें गर्माहट का एहसास हुआ। सम्भल यूथ ट्रस्ट जैसी संस्थाओं की यह मुहिम समाज को एकजुटता और सेवा का संदेश दे रही है।

किरन सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा मनाया गया तुलसी दिवस

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- किरन सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा बृहस्पतिवार को गीता सत्संग भवन सीता रोड चंदौसी में तुलसी दिवस मनाया गया यह तुलसी दिवस ग्रुप के सभी मेंबरों द्वारा मनाया गया मां तुलसी का तिलक किया गया व सिंगर कर माता जी की आरती उतारी गई बा सभी मेंबरों ने मां तुलसी के भजन कीर्तन गा कर मां तुलसी को मनाया ग्रुप की अध्यक्ष डॉ नीलम वार्ष्णेय ने बताया कि मां तुलसी तो

एक साक्षात देवी का रूप है और हमें सुबह उठकर मां तुलसी की आराधना करनी चाहिए सनातनी परिवारों में घर-घर तुलसी मां तुलसी का पूजन किया जाता है पुराणों के अनुसार जिस घर में तुलसी पौधे का पूजन होता है उसे घर में सुख शांति वैभव समृद्धि बनी रहती है तुलसी का पौधा ब्राह्मण औषधि का कार्य करता है तुलसी का सेवन करने से सर्दी जुकाम बुखार रोग आदि दूर होते हैं। कार्यक्रम में इंदू अग्रवाल , रूबी वार्ष्णेय, नीधी अग्रवाल ,रानी, मोनिका, मीरा अग्रवाल, अंजू अग्रवाल, गुंजन वार्ष्णेय, प्रतिभा अग्रवाल आदि लोगों उपस्थित रहे।

अटल बिहारी वाजपेई जयंतीः राष्ट्र निर्माण कार्य को ऊंचाइयों पर ले जा रहे मोदीः संसद विजय दूबे

कुशीनगर। पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न, स्व. अटल बिहारी वाजपेई जी भारतीय राजनीति के आधार स्तंभ रहे हैं, उनकी नीति कार्यशैली का विरोधी भी मुरीद रहे हैं और उनका तारीफ भी करते हैं। अटल जी का जीवन जनसेवा और राष्ट्रसेवा को समर्पित था तथा वे देशवासियों को सदैव प्रेरणा देते रहेंगे। दुनिया के विरोध को परवाह किए बगैर अटल बिहारी वाजपेई ने पोखरण परमाणु परीक्षण कर देश परमाणु सम्पन्न देश बनाया।

यह बातें सांसद विजय कुमार दुबे ने कसया के एक होटल में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित कुशीनगर विधानसभा का अटल स्मृति सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि पहले आतंकवादी घटनाओं पर पड़ोसी देश का सिर्फ निंदा करते थे परन्तु अब उसी वीर सैनिकों तथा उसी संसाधन में हम आतंकवादीयो के घर में घुसकर मार रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत रत्न वाजपेयी के विकसित

भारत के सपने को पूरी प्रतिबद्धता के साथ साकार कर रहे हैं। अटल जी द्वारा शुरू किए गए राष्ट्र निर्माण के कार्यों को प्रधानमंत्री मोदी नई ऊर्जा और नई गति के साथ नई ऊंचाइयों तक ले जा रहे हैं। विशिष्ट अतिथि गोरखपुर के पूर्व जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेई ने साहित्य, राजनीति, सेवा और पत्रकारिता के क्षेत्र में अटल जी ने जो कीर्तिमान स्थापित किया वह अतुलनीय है। अटल जी ऐसे नेता थे जिनको पूरे देश में पक्ष और विपक्ष सभी के नेता पसंद करते हैं। अटल जी सदैव देशहित के विषय पर विपक्षी सरकार का भी समर्थन किया था। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के अन्त्योदय के सपने को धरातल पर उतारने का कार्य किया। उनके विकास और सुशासन के मिशन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगे बढ़ा रहे हैं। अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि आज हम एक ऐसे महान व्यक्तित्व की जयंती मना रहे हैं जिन्होंने पूरे जीवन सत्य, ईमानदारी और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ देश की सेवा की। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी केवल एक राजनेता नहीं थे, वे एक संवेदनशील कवि हृदय इंसान और दूरदर्शी राष्ट्रनेता थे, जिन्होंने भारत को नई दिशा दी।कुशीनगर विधायक पीएन पाठक ने कहा कि कहा कि अटल जी का देश के प्रति योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने लोकतंत्र की मयार्दा, सुशासन और पारदर्शिता को राजनीति का आधार बनाया। उनके कार्यकाल में लिए गए फैसलों ने भारत को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चाहे सड़क निर्माण हो, आधारभूत ढांचे का विकास हो या फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की पहचान हो हर क्षेत्र में अटल जी की सोच साफ दिखाई देती है। सम्मेलन को पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, पूर्व जिलाध्यक्ष जगदम्बा सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल ने सम्बोधित किया।

संचालन कार्यक्रम संयोजक अनिल प्रताप राव ने किया। इस अवसर पर राधेश्याम गोंड, सन्तोष दत्त राय, अवधेश प्रताप सिंह, विजय कुमार शुक्ल, दिवाकर मणि त्रिपाठी, विश्वरंजन कुमार आनन्द, चन्द्र प्रभा पाण्डेय, सुधीर राव, अमित पाण्डेय, अशोक पाण्डेय, डॉ टीएन राव, डॉ छेदी शर्मा, आद्या प्रसाद पाण्डेय, अमरजीत कुशवाहा,किन्नरेश चौबे, बच्चा सिंह, राजेश राव सहित पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महाराजा बिजली पासी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की

बहजोई /संभल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी जिला बैठक में कैंप कार्यालय बहजोई पर महाराजा बिजली पासी की जयंती मनाई गई बैठक में जिला अध्यक्ष एवं पदाधिकारी ने महाराजा बिजली पासी के चित्र पर माला अर्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा महाराजा बिजली पासी 12वीं सदी के शक्तिशाली महाराज थे अवध क्षेत्र में शासन किया था यह पासी समाज एवं दलित समुदाय के गौरव के प्रतीक बनकर उभरे उन्होंने अपने समाज एवं दलितो के लिए बहुत काम किया वह कुशल शासक

साहसी योद्धा और रणनीतिकार थे उन्होंने बहुत सामाजिक काम किया जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कहा उन्होंने अपनी माता की याद में बिजनौर में एक किला बनवाया लखनऊ में पिता की याद में आशियाना नाम से एक किला बनवाया उन्होंने स्कूल एवं कुए भी खुदवाने का काम किया बैठक में उमेश यादव विधानसभा अध्यक्ष शोभित कुमार काका जिला उपाध्यक्ष सद्दाम कुरेशी नगर अध्यक्ष कमल शर्मा चेतन गुप्ता नगर अध्यक्ष व्यापार सभा जिला अध्यक्ष प्रबुद्ध सभा ओमप्रकाश प्रजापति जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग आसिफ इकबाल रवि शंखधार राजवीर यादव चेतन रियासत सैफी यामीन सैफी एस पी बिलाल तस्लीम अरविंद यादव मुकेश यादव नेताजी लायक सिंह अरविंद तस्लीम इदरीश भाई सद्दाम भाई जमील भाई ललतेश यादव अक्षय गुप्ता पुष्पेंद्र यादव प्रतीक नानू मनोज शर्मा वीरान यादव राजू खड़कवंशी एडवोकेट नजाकत आदि उपस्थित रहे।

अटल बिहारी वाजपेयी जन्म जयंती पर प्रतिभाओं का सम्मान, सुशासन सप्ताह में चमके युवा

बहजोई/संभल(सब का सपना):- भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती के अवसर पर जिले में आयोजित सांस्कृतिक और शैक्षिक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया के निर्देशन और जिला नोडल अधिकारी (उच्च शिक्षा) डॉ. राष्ट्रवर्धन की अध्यक्षता में 18 से 25 दिसंबर तक चली इस श्रृंखला के तहत भाषण, एकल काव्य पाठ और निबंध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को कलक्ट्रेट सभागार में पुरस्कृत किया गया। यह आयोजन सुशासन सप्ताह (19-25 दिसंबर) का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष बहजोई राजेश शंकर राजू, डॉ. राष्ट्रवर्धन और जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश

कुमार द्वारा वाजपेयी जी की तस्वीर पर माल्यार्पण से हुआ। 22 दिसंबर को एमजीएम कॉलेज संभल में भाषण प्रतियोगिता, एनकेबीएमजी कॉलेज चंदौसी में एकल काव्य पाठ और एसएम इंटर कॉलेज चंदौसी में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इनमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल करने वाले प्रतिभागियों को मुख्य अतिथियों ने प्रतीकात्मक चेक, प्रमाण पत्र और सम्मानित किया। प्रतियोगिताओं के प्रमुख विजेताओं में भाषण में प्रथम स्थान पर एमजीएम कॉलेज संभल की बीए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा रिया गौतम ने कब्जा जमाया, जिन्हें 10 हजार रुपये का चेक मिला। एकल काव्य पाठ में राजकीय महाविद्यालय संभल की बीए तृतीय सेमेस्टर की ताशिफा प्रथम रहीं, जबकि निबंध में एसएम इंटर कॉलेज चंदौसी के कक्षा दसवीं के दुष्यंत यादव ने शीर्ष स्थान हासिल किया। दोनों को भी 10 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया। द्वितीय स्थान पर भाषण में राजकीय महाविद्यालय संभल की बीएससी पंचम सेमेस्टर की उमरा चौहान

(5 हजार रुपये), काव्य पाठ में एनकेबीएमजी कॉलेज चंदौसी की बीए प्रथम सेमेस्टर की राधिका (5 हजार रुपये) और निबंध में श्री अक्रूर जी कन्या पाठशाला चंदौसी की कक्षा ग्यारहवीं की आराध्य वार्ष्णेय (3 हजार रुपये) रहीं। तृतीय पुरस्कार विजेताओं में भाषण की कशिश (एनकेबीएमजी कॉलेज चंदौसी, एमए तृतीय सेमेस्टर, 2,500 रुपये), काव्य पाठ की मंजरी गुप्ता (एसएम कॉलेज चंदौसी, बीएड द्वितीय वर्ष, 2,500 रुपये) और निबंध की यतिका ठाकुर (सरस्वती कन्या इंटर कॉलेज बबराला, कक्षा नौवीं, 2,000 रुपये) शामिल हैं।

डॉ. राष्ट्रवर्धन ने समारोह में कहा कि वाजपेयी जी के विचारों से प्रेरित ये प्रतियोगिताएं युवाओं को सुशासन की दिशा में प्रेरित करती हैं। जिला प्रशासन ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी स्कूल-कॉलेजों का आभार जताया, जो जिले की सांस्कृतिक धरोहर को मजबूत करने में सहायक सिद्ध हुआ।

अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर अटल स्मृति पार्क का उद्घाटन

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यों की भी की गई समीक्षा

सम्भल(सब का सपना):- सुशासन सप्ताह के समापन दिवस एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर नगर पालिका परिषद सम्भल द्वारा शहर के भीड़ भाड़ वाले मार्केट में विकसित 'अटल स्मृति पार्क' को जनता के लिए समर्पित किया गया। यह पार्क विकास और विरासत के सुंदर संगम का प्रतीक है, जो बच्चों, बुजर्गों तथा महिलाओं के लिए एक आरामदायक एवं सुरक्षित विश्राम स्थल प्रदान करेगा। पार्क नई पीढ़ी को राष्ट्रबोध, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं सुशासन की प्रेरणा देने का माध्यम बनेगा। जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया के मार्गदर्शन में नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी डॉ. मणि भूषण तिवारी ने भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराकर इस परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया। पार्क का उद्घाटन जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण

कुमार बिश्नोई ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह रिंकू, विभिन्न सभासदगण, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में जनसामान्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि अटल जी की स्मृति में यह पार्क शहरवासियों को उनकी विचारधारा से जोड़ेगा तथा सुशासन की भावना को मजबूत करेगा। पुलिस अधीक्षक ने भी इसे सामाजिक सद्भाव एवं सुरक्षा का प्रतीक बताया।

उद्घाटन के बाद जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने चंदौसी चौराहे के सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात बीआरसी केंद्र सम्भल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यों की समीक्षा की गई, जहां डिजिटलाइजेशन एवं सत्यापन पर विशेष बल देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

एक करोड़ का इनामी नक्सली गणेश उइके ढेर, पांच अन्य नक्सली भी मुठभेड़ में मारे गए

कंधमाल (एजेंसी)। ओडिशा के कंधमाल जिले में गुरुवार को सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में शीर्ष माओवादी नेता गणेश उइके समेत छह नक्सली मारे गए। राज्य में नक्सल विरोधी अभियान का नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि, यह मुठभेड़ चकापाद पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले घने जंगलों में हुई। मारा गया गणेश उइके (69 वर्ष) सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति का सदस्य था और ओडिशा में इस प्रतिबंधित संगठन का प्रमुख था, जिस पर प्रशासन ने 1.1 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। मूल रूप से तेलंगाना के नलगोंडा जिले का रहने वाला उइके, पक्का हनुमंतु और राजेश तिवारी जैसे कई नामों से भी जाना जाता था।

सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी उपलब्धि

पुलिस ने बताया कि इस सफल ऑपरेशन में गणेश उइके के अलावा पांच अन्य नक्सली भी मारे गए हैं, जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं। फिलहाल अन्य तीन नक्सलियों की पहचान नहीं हो पाई है। सुरक्षा बलों के लिए इसे एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है क्योंकि उइके लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की रडार पर था और क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों मे शामिल था। फिलहाल इलाके में अभी भी तलाश अभियान जारी है।

काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन का बड़ा फैसला... वीआईपी प्रोटोकॉल और स्पर्श दर्शन पर रोक

वाराणसी (एजेंसी)। नए साल का उत्साह अभी से देशभर में देखने को मिल रहा है। इसी उत्साह और आस्था के चलते देश के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों में शामिल वाराणसी में श्रद्धालुओं की संख्या तेजी से बढने लगी है। खासतौर पर द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। लगातार बढ़ती भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। अगले आदेश तक काशी विश्वनाथ मंदिर में वीआईपी दर्शन, प्रोटोकॉल के जरिए होने वाले दर्शन और स्पर्श दर्शन पर रोक लगा दी गई है। आस्थावान श्रद्धालु नए साल की शुरुआत भगवान के दर्शन और पूजा-अर्चना के साथ करने के लिए अभी से वाराणसी पहुंचने लगे हैं। शीतकालीन छुट्टियों और अंग्रेजी कैलेंडर के नववर्ष के कारण काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ गई है। इसी के चलते मंदिर परिसर और आसपास के इलाकों में भारी भीड़ देखी जा रही है। मंदिर प्रशासन का कहना है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुचारू दर्शन व्यवस्था को बनाए रखने के लिए यह निर्णय लिया गया है। काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में सभी श्रद्धालुओं को समान रूप से दर्शन की सुविधा देने पर जोर दिया जा रहा है। बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने और किसी भी तरह की अव्यवस्था से बचने के लिए विशेष या विशिष्ट दर्शन की अनुमति फिलहाल संभव नहीं है।

मुर्गों की लड़ाई के दौरान व्यक्ति की गोली मारकर हत्या

रांची (एजेंसी)। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में 35 वर्षीय व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि विजय तिर्की चिलगु में मुर्गों की लड़ाई देखने गया था, तभी वहां पहले से इंतजार कर रहे हथियारबंद लोगों ने उस पर गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक, विजय आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त था। उन्होंने बताया कि हमलावरों ने विजय को कई गोली मारी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारी के अनुसार, विजय की व्यक्तिगत दुश्मनी या गैंगवार के कारण हत्या करने की आशंका है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारी ने कहा, ''हमने कुछ संदिग्धों की पहचान कर ली है। उन्हें पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है।

सेना के जवानों को इंस्टाग्राम इस्तेमाल की परमीशन-वॉट्सएप, टेलीग्राम पर गैर-गोपनीय जानकारी शेयर कर सकेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने जवानों के सोशल मीडिया एप्स के इस्तेमाल को लेकर नई पॉलिसी जारी की है। इंस्टाग्राम पर रील, फोटो और वीडियो देख सकेंगे हालांकि कमेंट करने की परमीशन नहीं है। वॉट्सएप, टेलीग्राम जैसे एप्स पर गैर-गोपनीय जानकारी शेयर कर सकेंगे। इसके अलावा यू-ट्यूब और एक्स का इस्तेमाल केवल जानकारी के लिए किया जा सकेगा। वहीं लिंक्डइन, स्काइप और सिग्नल एप के लिए भी नई गाइडलाइन जारी की गई है। भारतीय सेना ने पिछले महीने नए कोट कॉम्बैट के डिजाइन (डिजिटल प्रिंट) का पेटेंट कराया था। यह तीन-लेयर वाली यूनिफॉर्म सैनिकों के लिए हर मौसम में आरामदायक है। यानी कोई बिना सेना की अनुमति के इस डिजाइन का यूनिफॉर्म न तो बना सकेगा न बेच सकेगा व उपयोग कर सकेगा। ऐसा करने पर कानूनी कार्रवाई और जुर्माना होगा। इस नए कोट कॉम्बैट को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट), दिल्ली ने आर्मी डिजाइन ब्यूरो के साथ तैयार किया है। सेना ने जनवरी 2025 में नया कॉम्बैट यूनिफॉर्म को पेश किया था।

कोडीन कफ सिरप मामले में मुख्य आरोपी जायसवाल के परिजनों के नाम पर दर्ज संपत्ति जब्त होगी

वाराणसी(एजेंसी)। कोडीन कफ सिरप मामले में 50 हजार के इनामी शुभम जायसवाल के परिजनों के नाम दर्ज 38 संपत्ति अब वाराणसी पुलिस जब्त करेगी। कोतवाली पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर अदालत ने संपत्ति जब्त करने के लिए नोटिस दे दिया है। डीसीपी गौरव बंसवाल के अनुसार जल्द ही पुलिस कार्रवाई शुरू करेगी और शैली ट्रेडिंग के मालिक भोला प्रसाद, उनकी पत्नी और बेटी के नाम दर्ज कुल 38 करोड़ की संपत्ति जब्त होगी।

डीसीपी बंसवाल ने बताया कि फरार और 50 हजार के इनामी शुभम जायसवाल के परिजनों के नाम दर्ज 38 करोड़ की संपत्ति जल्द ही पुलिस जब्त करेगी। इसके लिए उन्हें कोर्ट से ऑर्डर मिल गया है। डीसीपी काशी जोन ने बताया कि शुभम कोडीन कफ सिरप मामले में मुख्य अभियुक्त है और अभी फरार चल रहा है। उसके पिता शैली ट्रेडर्स के प्रोपराइटर भोला प्रसाद को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। फिलहाल वे जेल में हैं। रिपोर्ट के अनुसार भोला प्रसाद, उनकी पत्नी शारदा जायसवाल, बेटी प्रगति जायसवाल और शुभम की पत्नी वैशाली के नाम पर 38 करोड़ की संपत्ति दर्ज है। जिसे जब्त किया जाएगा।

बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों पर हिंसा गंभीर चिंता का विषय: मायावती

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ (ईएमएस)। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो एवं उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही साम्प्रदायिक हिंसा और हाल ही में एक दलित युवक की नृशंस हत्या पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से नृशंस हत्या की गयी है उसको लेकर भारत भर में लोगों का सड़कों पर फूटा आक्रोश स्वाभाविक है। इस मामले में केंकार को समुचित संज्ञान लेकर सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

बसपा नेत्री मायावती ने एक्स पर लिखा कि अपने पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों के जान, माल व मज़हब को जिस प्रकार से साम्प्रदायिक हिंसा का शिकार बनाकर उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है उससे अपने देश में ही नहीं बल्कि अन्यत्र भी चिन्ता की लहर है तथा अभी हाल ही में वहाँ एक दलित युवक की जिस प्रकार से नृशंस हत्या की गयी है उसको लेकर भारत भर में लोगों का सड़कों पर फूटा आक्रोश स्वाभाविक है, जिसका भारत सरकार को तुरन्त समुचित संज्ञान लेकर आगे हर स्तर पर कुछ और भी अधिक सक्रिय भूमिका निभाने की देश को आशा है और यही समय की माँग भी लगती है। उन्होने कहा कि वैसे तो अपने देश में भी ख़ासकर दलितों व आदिवासियों आदि पर सदियों से होने वाली जातिवादी द्वेष, जुल्म-ज्यादती, शोषण व तिरस्कार आदि रुका नहीं है बल्कि हर स्तर पर लगातार जारी है तथा उनकी सुरक्षा को लेकर बने क़ानूनों को एक प्रकार से निष्क्रिय ही बना दिया गया है, किन्तु पड़ोसी देश बांग्लादेश में इसी प्रकार की होने वाली जुल्म-ज्यादती कोई कम गंभीर बात नहीं है बल्कि यह अति-दुखद व चिन्ता की बात है।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि साथ ही, पड़ोसी देशों में अल्पसंख्यकों की दयनीय स्थिति को लेकर ख़ासकर देश में लोगों की चिन्तायें लगातार बनी रहती हैं और इस मामले में सरकार अपनी भूमिका भी निभाने का प्रयास करती रहती है, किन्तु हाल के दिनों में बांग्लादेश में जिस प्रकार से भारत व हिन्दू विरोधी घटनायें घटित हो रही हैं उसको लेकर केन्द्र सरकार को लोगों की अपेक्षा के अनुसार और भी अधिक सक्रियता एवं प्रभावी क़दम उठाने की ज़रूरत लग रही है जिसको लेकर जनता का समर्थन अवश्य ही सरकार के साथ होगा। सरकार उचित ध्यान दे।

बिहार में उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी में टूट के आसार... तीन विधायक लिट्टी-चोखा भोज में शामिल नहीं हुए

पटना। उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी में अब टूट होती दिख रही है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के तीन विधायक माधव आनंद, रामेश्वर महतो और आलोक सिंह उपेंद्र कुशवाहा के आवास पर लिट्टी-चोखा भोज में शामिल नहीं हुए। तीनों विधायकों ने भोज में शामिल न होकर पटना में नितिन नबीन से मिलने पहुंचे। बीजेपी के नए कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के आवास पर ये मुलाकात हुई। बताया जा रहा है कि उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी के विधायक माधव आनंद मंत्री की रेस में थे, लेकिन कुशवाहा ने अपने बेटे को मंत्री बना दिया। दरअसल रालोमा के टिकट पर मधुबनी से जीते माधव आनंद मंत्री की रेस में सबसे आगे थे,

लेकिन उपेंद्र कुशवाहा ने अपने बेटे दीपक प्रकाश को मंत्री बना दिया। इसके बाद से उनकी नाराजगी की खबरें सामने आईं। हालांकि, डैमेज कंट्रोल के लिए कुशवाहा ने माधव आनंद को पार्टी के विधायक दल का नेता नियुक्त कर दिया। कुछ दिन पहले ही मंत्री नहीं बनने पर नाराजगी भी जाहिर की थी। उन्होंने कहा था, मेरी व्यक्तिगत इच्छा है कि मैं मंत्री बनूं। मंत्री बनने की हर काबिलियत मुझमें है। अर्थशास्त्री हूं। 55 देशों की यात्रा कर चुका हूं। आगे भी मंत्री बनने की इच्छा रहेगी। उम्मीद है कि आगे मुझे कैबिनेट में मौका मिलेगा। माधव आनंद एक उद्यमी और कारोबारी बैकग्राउंड से आते हैं। चुनावी हलफनामे में उनकी कुल संपत्ति 55 करोड़ से ज्यादा है। मधुबनी सीट से उन्होंने आरजेडी के उम्मीदवार और दो बार के पूर्व विधायक समीर महासेठ को 20,552 वोटों के अंतर से हराया। माधव आनंद को लगभग 97,956 वोट मिले।

नेताजी की अस्थियां को भारत वापस लाने की उठी मांग... पड़पोते ने राष्ट्रपति मुर्मू से की भावुक अपील

कोलकाता (एजेंसी)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के अवशेषों को भारत वापस लाने के दशकों पुराने संवेदनशील मुद्दे फिर चर्चा में आ गया है। नेताजी के पड़पोते चंद्र कुमार बोस ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से यह भावुक अपील की है। चंद्र कुमार बोस ने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर मांग की है कि नेताजी की अस्थियां जापान के रेंकोजी मंदिर से भारत लाई जाएं।

उन्होंने राष्ट्रपति को लिखे अपने खत में बताया कि परिवार चाहता है कि यह प्रक्रिया 23 जनवरी 2026 (नेताजी की 129वीं जयंती) से पहले पूरी हो जाए। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया है कि इतने दशकों बाद भी देश के महान नायक के अवशेष पराये देश में रखे हुए हैं।

उन्होंने बताया कि यह केवल चंद्र कुमार बोस की मांग नहीं है, बल्कि नेताजी की बेटी अनीता बोस फाफ (जो जर्मनी में रहती हैं) भी लंबे समय से भारत सरकार से उनके अवशेषों को वतन लाने और उनका डीएनए टेस्ट कराने की अपील करती रही हैं। नेताजी की मृत्यु को लेकर भारत में हमेशा से दो विचारधाराएं रही हैं। एक वर्ग आधिकारिक विमान दुर्घटना के सिद्धांत को मानता है, जबकि दूसरा वर्ग इस स्वीकार नहीं करता। यही कारण है कि अस्थियां वापस लाने का मुद्दा राजनीतिक और भावनात्मक रूप से जटिल रहा है। इस बार 129वीं जयंती का लक्ष्य रखकर सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है ताकि नेताजी को उनकी अपनी मिट्टी में अंतिम विदाई दी जा सके।

नेताजी की अस्थियां जापान में कब से

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के बारे में ऐसी मान्यता है कि 18 अगस्त, 1945 को मौजूदा ताइवान में जापानी मिलिट्री के एक विमान हादसे में उनका निधन हो गया था; और सितंबर 1945 से उनकी अस्थियां रेंकोजी स्थित बौद्ध मंदिर के एक सुरक्षित कलश में रखी हुई है। नेताजी की मौत को लेकर अभी तक जो जांच हुई हैं, उसका यह निष्कर्ष निकाला गया है कि विमान हादसे में वह गंभीर रूप से झुलस गए थे और एक जापानी मिलिट्री के अस्पताल में उन्होंने आखिरी सांसें ली थीं।

विजयन सरकार पिछले 10 वर्षों से भ्रष्टाचार में डूबी हुई : राजीव चंद्रशेखर

तिरुवंतमपुरम (एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर के बीच तीखी बयानबाजी जारी है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए है। बीजेपी नेता चंद्रशेखर ने विजयन सरकार पर पिछले 10 वर्षों से भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया है। उन्होंने विशेष रूप से सबरीमाला मंदिर से जुड़े मुद्दों को उठाया। चंद्रशेखर का दावा है कि मंदिर से करीब 4-4.5 किलो सोना चोरी हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि एलडीएफ द्वारा नियुक्त देवस्वम बोर्ड के तहत 4 पंचधातु की मूर्तियां अंतरराष्ट्रीय गिरोहों को बेची गईं। भाजपा इन आरोपों के जरिए एलडीएफसरकार को हिंदू विरोधी या कुप्रबंधन करने वाली सरकार के रूप में पेश करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने पथिनट्टम पाडी (18 पवित्र सीढ़ियां) के कुछ हिस्सों को लूटे जाने का भी दावा किया। भावनात्मक और धार्मिक मुद्दों का चंद्रशेखर द्वारा लगाए गए आरोप-विशेषकर सोने की चोरी और मूर्तियों की तस्करी-अत्यंत गंभीर हैं। ये आरोप सीधे तौर पर हिंदू मतदाताओं की भावनाओं और मंदिर प्रशासन (देवस्वम बोर्ड) की पारदर्शिता से जुड़े हैं।

वहीं मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने केंद्र सरकार पर केरल को आर्थिक रूप से निशाना बनाने का आरोप लगाया है। विजयन का कहना है कि केंद्र जानबूझकर राज्य की उधार लेने की क्षमता को सीमित कर रहा है। केरल राज्य विकास आयोग (केआईआईएफबी) द्वारा लिए गए ऋण को राज्य के कुल ऋण में शामिल करने पर विजयन ने आपत्ति जाहिर की है, उनका कहना है कि यह आरबीआई के पुराने नियमों के खिलाफहै। उन्होंने केंद्र पर अनुच्छेद 293(3) का दुरुपयोग कर राज्यों के विकास मॉडल को कमजोर करने का आरोप लगाया। चंद्रशेखर के अनुसार, केरल में पिछले 10 वर्षों में जो भी विकास हुआ है, वह प्रधानमंत्री मोदी की सरकार के कारण हुआ है। उन्होंने विजयन पर जनता को भ्रमित करने का आरोप लगाया। विजयन ने संकल्प लिया है कि केंद्र की बाधाओं के बावजूद केरल अपना विकास एजेंडा जारी रखेगा। उन्होंने इसे केरल के विकास मॉडल पर हमला बताया है। विवाद में राजीव चंद्रशेखर का उल्लेख केरल भाजपा के संदर्भ में किया गया है, जो वर्तमान में राज्य की राजनीति और केंद्र के प्रतिनिधित्व के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी बने हुए हैं।

मायावती के भतीजे आकाश आनंद के घर आई लक्ष्मी

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के गुट के लिए व्यक्तिगत और राजनीतिक दोनों लिहाज से काफी चर्चा में है। बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद पिता बन गए हैं। उनके घर बेटी का जन्म हुआ है। मायावती ने खुद एक्स पर यह जानकारी साझा करते हुए खुशी जाहिर की। पूर्व सीएम मायावती ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि आकाश आनंद ने अपनी बेटी को भी बहनजी (मायावती) की तरह ही बहुजन समाज के मिशन के प्रति समर्पित करने का संकल्प लिया है। मां और नवजात बच्ची दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं।

वहीं खुशखबरी के साथ-साथ मायावती ने पड़ोसी देश बांग्लादेश में हो रही सांप्रदायिक हिंसा और वहां हिंदू अल्पसंख्यकों की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने हाल ही में वहां एक दलित युवक की नृशंस हत्या का जिक्र कर कहा कि इससे भारत के लोगों में भारी आक्रोश है। मायावती ने केंद्र सरकार से अपील की है कि वे इस मामले में अधिक सक्रिय और प्रभावी कदम उठाएं ताकि वहां के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने देश के भीतर भी दलितों और आदिवासियों पर होने वाले जातिवादी द्वेष और कानूनों की निष्क्रियता पर सवाल उठाए, लेकिन साथ ही जोर दिया कि बांग्लादेश में जो हो रहा है वह अत्यंत गंभीर और दुखद है।

सांसद थरूर ने कहा- बांग्लादेश में स्थिति चिंताजन, लेकिन भारत रख रहा है नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ जारी हिंसा और वहां के अस्थिर हालातों ने भारत में भी चिंता और आक्रोश पैदा कर दिया है। पड़ोसी देश में बिगड़ती स्थिति के विरोध में भारत के विभिन्न हिस्सों में हो रहे प्रदर्शनों पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। थरूर ने इन प्रदर्शनों के हिंसक होने की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि एक जीवंत लोकतंत्र में हर नागरिक को अपनी बात रखने और विरोध जताने का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत में हो रहे ये प्रदर्शन फिलहाल पूरी तरह नियंत्रण में हैं और यहां की पुलिस किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति को रोकने में सक्षम है।

शशि थरूर ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार और उसके प्रमुख मोहम्मद यूनुस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि केवल घटनाओं पर खेद जताना या निंदा करना एक सरकार के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सड़कों पर हो रही हिंसा को रोकना और कानून-व्यवस्था बहाल करना वहां के प्रशासन की प्राथमिक

जिम्मेदारी है। थरूर के अनुसार, जब तक आम नागरिक और अल्पसंख्यक समुदाय सुरक्षित महसूस नहीं करेंगे, तब तक लोकतंत्र की बहाली संभव नहीं है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि यदि वहां की पुलिस स्थिति संभालने में विफल हो रही है, तो सेना की मदद ली जानी चाहिए, लेकिन अराजकता का यह दौर अब समाप्त होना चाहिए।

बांग्लादेश में आगामी चुनावों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए सांसद ने कहा कि जिस देश में चारों तरफ डर का माहौल हो और मतदाता खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा हो, वहां निष्पक्ष चुनाव कराना लगभग असंभव है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले शांति और सुरक्षा का वातावरण तैयार करना अनिवार्य है। गौरतलब है कि बांग्लादेश में छात्र नेता उस्मान हादी की हत्या के बाद से स्थिति और अधिक तनावपूर्ण हो गई है। जहां प्रशासन इस हत्या के पीछे राजनीतिक रंजिश बता रहा है, वहीं हादी के परिवार ने अंतरिम सरकार पर ही गंभीर आरोप लगाए हैं। परिवार का मानना है कि चुनावों को टालने और सत्ता पर पकड़ बनाए रखने के लिए इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। इस राजनीतिक उथल-पुथल के बीच, बांग्लादेश की राजनीति के एक और बड़े खिलाड़ी और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान की वापसी की चर्चाओं ने सरगर्मी बढ़ा दी है। एक तरफ कट्टरपंथियों का बढ़ता प्रभाव और दूसरी तरफ प्रमुख राजनीतिक हस्तियों की सक्रियता ने बांग्लादेश के भविष्य को अनिश्चितता के भंवर में डाल दिया है। भारत इस पूरी स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए है, क्योंकि वहां की अस्थिरता का सीधा असर सीमावर्ती क्षेत्रों और क्षेत्रीय सुरक्षा पर पड़ता है।

उन्नाव रेप पीड़िता ने कहा- 250 टांके, हाथ-पैर में रॉड लिए कोर्ट में थी पर अंग्रेजी में बहस समझ नहीं पाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश को झकझोर देने वाले उन्नाव मामले की पीड़िता एक बार फिर गहरे सदमे और भय के साये में है। हाल ही में उच्च न्यायालय द्वारा मुख्य आरोपी और पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को जमानत दिए जाने के फैसले ने पीड़िता के उन जख्मों को फिर से कुरेद दिया है, जो वर्षों के संघर्ष के बाद भी नहीं भरे थे। पीड़िता का कहना है कि यह आदेश उसके लिए किसी बड़े मानसिक आघात से कम नहीं है, जिसने उसे और उसके परिवार को असुरक्षा के गहरे दलदल में धकेल दिया है।

अदालती कार्यवाही के दौरान के अपने अनुभव साझा करते हुए पीड़िता ने बताया कि जब वह न्यायालय में मौजूद थी, तो वह विरोध करना चाहती थी, लेकिन भाषा की बाधा और कानूनी जटिलताओं के बीच उसकी आवाज दबकर रह गई। उसका कहना है कि अदालतों में होने वाली बहस अक्सर आम और गरीब लोगों की समझ से परे

होती है, जिसके कारण उन्हें न्याय की प्रक्रिया और भी जटिल और डरावनी लगने लगती है। फैसले के बाद की मानसिक स्थिति का जिक्र करते हुए उसने भावुक होकर कहा कि एक पल के लिए उसके मन में आत्मघाती विचार भी आए, लेकिन अपने बच्चों और परिवार के भविष्य को देखते हुए उसने संघर्ष जारी रखने का फैसला किया।

पीड़िता ने गंभीर आरोप लगाया कि आरोपी की जमानत की प्रक्रिया शुरू होते ही उसके परिवार और गवाहों की सुरक्षा में कटौती की जाने लगी है। उसका मानना है कि जब आरोपी रसूखदार और सत्ता से जुड़ा रहा हो, तो खतरा केवल जेल के भीतर से नहीं, बल्कि बाहर मौजूद उसके नेटवर्क और समर्थकों से भी होता है। पीड़िता ने सवाल उठाया कि उसके चाचा, जिन्होंने कोई अपराध नहीं किया, वे वर्षों से जेल में हैं, जबकि जघन्य अपराध के आरोपी को राहत दी जा रही है। यह विडंबना न्याय व्यवस्था की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। हाल ही में दिल्ली के इंडिया गेट पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिसिया कार्रवाई पर भी पीड़िता ने तीखे सवाल किए। उसने आरोप लगाया कि शारीरिक रूप से अक्षम होने के बावजूद, पुलिस ने उसके साथ बदसलूकी की और उसे घसीटा गया। उसके शरीर पर मौजूद टांके और रॉड उसकी आपबीती की गवाही दे रहे थे, फिर भी प्रशासन का रवैया संवेदनहीन रहा। उसका कहना है कि उसे डराने और चुप रहने की कोशिशें की जा रही हैं, लेकिन वह अब पीछे हटने वाली नहीं है।

दुनिया देख रही इसरो का दम, जापान और दक्षिण कोरिया जो न कर सके, भारत ने कर दिखाया!

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरिक्ष की रेस में भारत अब केवल भागीदार नहीं, बल्कि लीडर बनकर उभरा है। बुधवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने श्रीहरिकोटा से एक ऐसा कीर्तिमान रचा, जिसने वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में भारत की धाक को और मजबूत कर दिया है। जहाँ जापान, ब्राजील और दक्षिण कोरिया जैसे विकसित देश हाल के दिनों में अपने मिशन में विफल रहे, वहीं इसरो के बाहुबली एलवीएम 3 ने एक बार फिर 100 प्रतिशत सफलता का परचम लहराया।

इसरो ने अमेरिकी कंपनी के ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 सैटेलाइट को उसकी सटीक कक्षा में स्थापित किया। यह मिशन इसरो के व्यावसायिक इतिहास में एक मील का पत्थर है। इसरो की इस कामयाबी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसरो की पूरी टीम को बधाई देकर यह भारत के लिए गौरव का क्षण है। इसरो की यह सफलता अंतरिक्ष क्षेत्र में हमारी बड़ी छलांग को दर्शाती है।

इसरो की यह कामयाबी इसलिए बड़ी है क्योंकि पिछले कुछ समय में दुनिया के कई दिग्गज देशों के अंतरिक्ष मिशन धराशायी हुए हैं। भारत ने अपनी विश्वसनीयता से यह साबित किया है कि कम लागत और उच्च तकनीक का सही तालमेल क्या होता है।

मार्च 2023 में जापान को तब गहरा सदमा लगा जब उसका एच3 रॉकेट दूसरे चरण में इंजन फेल होने के कारण नष्ट हो गया। इस हादसे में जापान का कीमती एएलओएस-3 उपग्रह भी बर्बाद हो गया था।

हाल ही में दक्षिण कोरिया का कमर्शियल रॉकेट हनबिट-नैनो ब्राजील से लॉन्च होने के मात्र 30 सेकंड बाद ही क्रैश हो गया। इस मिशन में 5 सैटेलाइट्स थे, जो समुद्र/सुरक्षित क्षेत्र में जा गिरे।

अंतरिक्ष इतिहास का सबसे दुखद हादसा ब्राजील के अल्कांतारा स्पेस सेंटर में हुआ था, जब बीएलएस-1 वी03 रॉकेट लॉन्च पैड पर ही फट गया था। इस हादसे ने 21 वैज्ञानिकों की जान ले ली थी, जिससे ब्राजील का स्पेस प्रोग्राम सालों पीछे चला गया।

वहीं इसरो का एलवीएम 3 रॉकेट की यह लगातार छठी सफल उड़ान है। यह वही रॉकेट है जिसने चंद्रयान-2 और चंद्रयान-3 जैसे ऐतिहासिक मिशन पूरे किए। अब 6100 किलो का भारी-भरकम वजन उठाकर अपनी ताकत का लोहा मनवाया। ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 सैटेलाइट के सफल प्रक्षेपण से पूरी दुनिया में मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी बदलाव आएंगे। अब दुर्गम इलाकों में भी सीधा सैटेलाइट-टू-फोन कनेक्शन संभव हो सकेगा। अंतरिक्ष विज्ञान में रिस्क हमेशा बना रहता है, लेकिन इसरो ने अपनी तकनीक और कठोर परीक्षणों से विफलता की दर को लगभग शून्य कर दिया है। अन्य देश अरबों डॉलर खर्च करके भी विफल हो रहे हैं, इसरो बहुत ही कम बजट में जटिल मिशन (जैसे चंद्रयान-3 और अब एलवीएम 3 की सफल उड़ानें) पूरे कर रहा है। जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों के मिशनों में तकनीकी खामियां अक्सर विदेशी इंजन या पुराने डिजाइनों पर निर्भरता के कारण भी आती हैं, जबकि भारत ने अपने क्रायोजेनिक इंजन और रॉकेट चरणों को स्वदेशी रूप से विकसित किया है।

नीरज चोपड़ा का रिसेप्शन: बेहद खास और करीबी ही हुए शामिल, कपल की एंट्री ने जीता सबका दिल

हरियाणा : गोल्डन ब्वॉय नीरज चोपड़ा और टेनिस खिलाड़ी हिमानी मोर की शादी का रिसेप्शन आज करनाल के द एडन जन्नत हॉल में हुआ। परिवार ने उनके रिसेप्शन को भी खास बनाने की तैयारी की है। कार्यक्रम करनाल शहर के द ईडन जन्नत हॉल में आयोजित है। दोपहर तक मेहमान होटल पहुंच गए। इसके बाद नीरज और उनकी पत्नी हिमानी ने हाथ में हाथ डालकर एंट्री ली।

नीरज-हिमानी के रिसेप्शन में एंट्री का पहला वीडियो भी सामने आया है। नीरज चोपड़ा ने जहां इंडो-वेस्टर्न ड्रेस पहनी है, वहीं हिमानी ने मैरून कलर का डिजाइनर लहंगा-चोली पहनी है। नीरज ने अपनी अपर पॉकेट पर मरून पॉकेज स्क्वेयर से मैच किया है। नीरज अपने बिखरे बाल स्टाइल में नजर आए। नीरज चोपड़ा ने 16 जनवरी, 2025 को टेनिस खिलाड़ी हिमानी मोर के साथ हिमाचल प्रदेश में एक निजी समारोह में शादी की थी। उन्होंने इसकी घोषणा 19 जनवरी, 2025 को सोशल मीडिया पर की थी। यह शादी परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में हुई थी, इसमें गोपनीयता बरती गई थी। परिवार इसी

गोपनीयता के बीच उनका रिसेप्शन करने की तैयारी में है। इसके लिए पिछले एक महीने से तैयारी में लगे हुए थे। नीरज चोपड़ा और हिमानी मोर के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद यह सामने आया है। नीरज के चाचा भीम चोपड़ा ने बताया कि दोनों की शादी के बाद रिसेप्शन की रस्म बाकी थी। इसको पूरा किया जाएगा। पानीपत के खंडरा गांव के नीरज चोपड़ा का जन्म 24 दिसंबर 1997 को हुआ था। वे ट्रैक और फील्ड एथलीट प्रतिस्पर्धा में भाला फेंक खिलाड़ी हैं। नीरज ने 87.58 मीटर भाला फेंककर टोक्यो ओलंपिक 2020 में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचा था। अभिनव बिंद्रा के बाद किसी विश्व चैंपियनशिप स्तर पर एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक को जीतने वाले वह दूसरे भारतीय हैं। नीरज चोपड़ा को मार्च 2022 में पदमश्री से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति भवन में एक विशेष कार्यक्रम में तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने नीरज चोपड़ा को सम्मानित किया। उन्होंने 2023 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता। नीरज ने दोहा डायमंड लीग में भाला फेंक में मानक माने जाने वाले 90 मीटर की दूरी हासिल की। नीरज ने अपना भाला 90.23 मीटर तक फेंका और ऐसा करने वाले एशिया के तीसरे और कुल मिलाकर 25वें खिलाड़ी बने थे। नीरज ने पेरिस ओलंपिक-2024 में सिल्वर मेडल अपने नाम किया था। नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी हिमानी मोर ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद सहित कई वरिष्ठ नेताओं और गणमान्य लोगों से मुलाकात कर उन्हें व्यक्तिगत रूप से रिसेप्शन में शामिल होने का निमंत्रण दिया है।

खबर एक्सप्रेस

20 रूपए के चक्कर में युवकों ने दिखाई गुंडागर्दी, कंफेक्शनरी संचालक को लाठी- डंडों से पीटा

टोहाना : शहर के चंडीगढ़ रोड स्थित पुल के नीचे कनफेक्शनरी की दुकान चलाने वाले सुमित और उसके भाई पर सामान लेने आए लड़कों ने लाठी डंडों से हमला कर दिया जिसके बाद घायलों को अस्पताल में ले जाया गया। जहां उनकी चोट को गंभीर देखते हुए अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। घटना की सूचना पुलिस को दे दी है, वही होटल एसोसिएशन प्रधान गौरव सहित मौके पर पहुंची और पुलिस से सख्त कार्यवाही की मांग की है। पीड़ित सुमित ने बताया वह रात्रि के समय दुकान में अपना कार्य कर रहे थे तभी दो लड़कों ने दुकान पर आकर हमसे समान लिया और उसका बिल मांगा। जब बिल दिया तो उन्होंने बिल अमाउंट से बीस रुपए कम दिए। मैने कहा कोई बात नहीं फिर एक आरोपी ने गाली देना शुरू कर दिया, मैने फिर भी हाथ जोड़कर कहा कोई बात नहीं भाई साहब बिल हो गया। फिर दोनों ने उसे दुकान से बाहर बुलाया और गालियां देनी शुरू कर दी। गाड़ी से उतरकर फिर मेरे साथ मारपीट शुरू कर दी, उसने बताया कि जब मेरे छोटा भाई कमल बीच बचाव के लिए आया तो उन्होंने कुछ लोगों को बुलाकर 6-7 लोगो ने लाठी डंडों से हमला कर दिया। उसने बताया कि उसके भाई का जबड़ा टूट गया है अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उसका इलाज जारी है। उसने बताया कि पुलिस को मौके पर बुलाया लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई है। उसने कहा कि एक आरोपी मेहता पप्पू मेहता का लड़का है जबकि दूसरा चिन्ना है जिसने गाली गलौज से शुरूआत की थी। उसने बताया कि उसके उंगली में चोट लगी है जबकि भाई के फ्रैक्चर आया है।

मनु भाकर ने खेल के मैदान के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी की नई शुरूआत, 16 महीने में करेंगी ये कोर्स

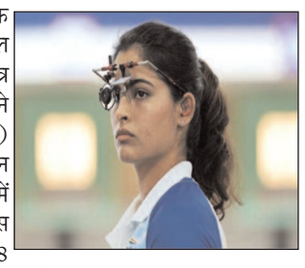

रोहतकः भारत की स्टार ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने अब खेल के मैदान के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी नई शुरूआत की है। उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रोहतक के पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन स्पोर्ट्स मैनेजमेंट फॉर एग्जीक्यूटिव में पढ़ाई शुरू कर दी है। 16 महीने के इस विशेष कोर्स के सातवें बैच का 18 दिसंबर को उद्घाटन किया गया था। स्पोर्ट्स मैनेजमेंट में निशानेबाज मनु भाकर सहित कई राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय व पेशेवर एथलीट नेदाखिला लिया है। आईआईएम रोहतक के निदेशक प्रो. धीरज शर्मा ने बताया कि इस प्रोग्राम का लक्ष्य भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना है। इसमें स्पोर्ट्स मार्केटिंग, फाइनेंस, इवेंट मैनेजमेंट और कानूनी ढांचे जैसे विषयों की गहन जानकारी दी जाएगी। झज्जर जिले के गोरिया की बेटी मनु भाकर का चयन लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के कड़े मानकों को पूरा करने के बाद हुआ है। उन्होंने कहा कि खेल प्रबंधन की पढ़ाई से खिलाड़ियों को खेलों के पीछे के विज्ञान और प्रशासनिक बारीकियों को समझने में मदद मिलेगी। भारत का खेल उद्योग वर्तमान में लगभग 40,000 करोड़ रुपये का है। ऐसे में एथलीटों का प्रबंधन और प्रशासन की ओर बढ़ना देश में खेलों के व्यावसायिक और नैतिक विकास के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

बल्लभगढ़ में जीआरपी और स्थानीय पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में, इस वजह से पुलिस कर रही सख्ती

बल्लभगढ़ : नए साल को लेकर बल्लभगढ़ में जीआरपी और स्थानीय पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आ रही है। रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कहीं कोई लावारिस वस्तु, संदिग्ध बैग या ट्रेन के अंदर कोई संदिग्ध संदेश न छोड़ा गया हो। नए साल के आगमन के साथ असामाजिक तत्वों की गतिविधियों की आशंका को देखते हुए बल्लभगढ़ पुलिस ट्रेनों के भीतर जाकर यात्रियों और सामान की जांच कर रही है। उद्देश्य यह है कि कोई भी लावारिस बैग या संदिग्ध व्यक्ति ट्रेन में मौजूद न रहे, जो असामाजिक गतिविधियों से जुड़ा हो। पुलिस प्रशासन पूरी सख्ती और मुस्तैदी के साथ अपने दायित्व निभा रहा है। पुलिसकर्मियों का कहना है कि वरिष्ठ अधिकारियों के सख्त निर्देश हैं कि जांच के दौरान यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु मिले तो तुरंत आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। पुलिस ने यात्रियों से अपील की है कि नए साल का स्वागत शांति और सौहार्द के साथ करें, सुरक्षित रूप से अपने घर पहुंचें और यदि कहीं कोई लावारिस बैग या संदिग्ध वस्तु दिखाई दे, तो तुरंत जीआरपी, आरपीएफ या रेलवे पुलिस को सूचना दें।

अधिवक्ताओं का एक प्रतिनिधिमंडल, रणधीर सिंह बधरान के नेतृत्व में सी एम नायब सिंह सैनी से मिला

चंडीगढ : पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं का एक प्रतिनिधिमंडल, जिसका नेतृत्व श्री रणधीर सिंह बधरान, पूर्व चेयरमैन, बार काउंसिल पंजाब एवं हरियाणा तथा संयोजक हरियाणा बनाओ अभियान द्वारा किया गया, ने मुख्यमंत्री हरियाणा श्री नायब सिंह सैनी से उनके चंडीगढ़ स्थित आवास पर भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने माननीय मुख्यमंत्री के समक्ष अधिवक्ताओं के कल्याण एवं न्याय व्यवस्था से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषय रखे। प्रमुख मांगों में राज्य सरकार के बजट में अधिवक्ताओं के कल्याण हेतु पृथक बजटीय प्रावधान, अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम का शीघ्र प्रवर्तन, हरियाणा के लिए पृथक बार काउंसिल का गठन, हरियाणा के लिए पृथक उच्च न्यायालय की स्थापना तथा हरियाणा राज्य के लिए पृथक नई राजधानी के निर्माण की मांग शामिल रही। प्रतिनिधिमंडल ने अवगत कराया कि हरियाणा के जिला एवं अधीनस्थ न्यायालयों में 15,24,947 से अधिक वाद तथा पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में 4,20,818 से अधिक वाद लंबित हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न आयोगों एवं अधिकरणों के समक्ष भी हजारों मामले लंबित हैं। अनुमानतः हरियाणा, पंजाब एवं चंडीगढ़ में 87 लाख से अधिक वादकारी न्यायिक विलंब से प्रभावित हैं। प्रतिनिधिमंडल ने तर्क दिया कि त्वरित एवं सुलभ न्याय सुनिश्चित करने के लिए हरियाणा एवं पंजाब के लिए पृथक-पृथक उच्च न्यायालयों की स्थापना अत्यंत आवश्यक है। यह भी बताया गया कि संयुक्त उच्च न्यायालय एवं संयुक्त बार काउंसिल के कारण हरियाणा के लगभग 80,000 तथा पंजाब एवं चंडीगढ़ के लगभग 65,000 अधिवक्ता अधिवक्ता कल्याण कोष एवं राज्य स्तरीय कल्याणकारी लाभों से वंचित हैं। हरियाणा के लिए पृथक बार काउंसिल के गठन से अधिवक्ताओं के लिए पेंशन, सामाजिक सुरक्षा एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं हेतु राज्य बजट से समुचित प्रावधान संभव हो सकेगा।प्रतिनिधिमंडल में ललित बराड़ा (मंत्री जी)एडवोकेट पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट चंडीगढ़अधिवक्ता जगपाल सिंह (पूर्व अध्यक्ष, जिला बार एसोसिएशन, पंचकूला), अधिवक्ता सुरेंद्र बैरागी (पूर्व अध्यक्ष, हरियाणा गवर्नमेंट प्लीडर्स), अधिवक्ता हुकम सिंह भट्टी, अधिवक्ता यशपाल राणा, अधिवक्ता रवि कांत सैन, अधिवक्ता अनिल सिंह गोयात (पूर्व डिप्टी एडवोकेट जनरल, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय) तथा अधिवक्ता शुभम शर्मा उपस्थित रहे। माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों को गंभीरता एवं धैर्यपूर्वक सुना। प्रतिनिधिमंडल ने आशा एवं विश्वास व्यक्त किया कि हरियाणा सरकार अधिवक्ताओं एवं आम जनता के हित में सकारात्मक, व्यावहारिक एवं दूरगामी निर्णय लेगी,

10 जिलों के 89 जेबीटी टीचरों पर होगी कार्रवाई, इन नियमों का किया उल्लंघन

हरियाणा : हरियाणा में जेबीटी भर्ती से जुड़े एक वित्तीय अनियमितता प्रकरण में शिक्षा विभाग ने सख़्त रुख अपनाते हुए 10 जिलों के 89 शिक्षकों और कुछ प्राचार्यों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। मामला 2017 बैच के जेबीटी शिक्षकों को दिए गए नोशनल पीरियड एरियर के गलत भुगतान से संबंधित है। सूत्रों के अनुसार, विभाग द्वारा वर्ष 2021 में नोशनल लाभ का आदेश जारी किया गया था, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया था कि मार्च 2019 से मार्च 2021 तक के वास्तविक रेगुलर सर्विस पीरियड के अनुसार ही पे-

डिफरेंस एरियर दिया जाएगा। लेकिन कुछ जिलों में डीडीओ स्तर पर आदेशों का उल्लंघन करते हुए एडहॉक अवधि को भी रेगुलर सर्विस मान लिया गया और अतिरिक्त एरियर जारी कर दिया गया।

दोषी पाए जाने पर होगी कार्रवाई

विभाग ने 2021-22 में ही रिकवरी और शॉ-काज नोटिस जारी कर दिए थे, लेकिन इसके बावजूद अतिरिक्त भुगतान की वसूली नहीं हो सकी। अब निदेशालय ने जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों से संबंधित सभी शिक्षकों और प्राचार्यों की वर्तमान पोस्टिंग, साथ ही उनके स्तर पर जारी सैंक्शन ऑर्डर की प्रतियां तत्काल भेजने को कहा है। दोषी पाए जाने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।वर्ष 2012 में 9455 जेबीटी पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई थी। कानूनी विवादों के चलते इनकी नियुक्ति मई 2017 में कराई गई। बाद में मेरिट विवाद के बाद कई अभ्यर्थियों को दिसंबर 2017 में एडहॉक आधार पर समायोजित किया गया। इसी सेवा अवधि को गलत तरीके से लाभ में शामिल किए जाने पर मामला सामने आया। अधिकारियों का कहना है कि सभी जानकारी निदेशालय को भेज दी गई हैं। आगामी कार्रवाई नियमानुसार की जाएगी।

संगत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को ट्रक ने मारी टक्कर, मौके पर मची चीख-पुकार, 1 श्रद्धालु की दर्दनाक मौत 5 घायल

कुरुक्षेत्रः हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले में कस्बा पिहोवा के गंगहेड़ी-नारनौल नेशनल हाईवे-152 डी पर बुधवार शाम दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। संगत को लेकर जा रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ट्रॉली में सवार एक श्रद्धालु की ट्रक के टायर तले कुचलने से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। मृतक की पहचान गुरप्रीत सिंह (36) निवासी गांव जयपुर जिला जींद के रूप में हुई है, जो खेती-बाड़ी का काम करता था। बताया गया है कि जींद जिले के धड़ाना और जयपुर गांवों से करीब 14 से अधिक श्रद्धालु ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर पंजाब के सरहिंद स्थित फतेहगढ़ साहिब गुरुद्वारा में तीन दिवसीय सेवा के लिए जा रहे थे। जैसे ही ट्रैक्टर-ट्रॉली पिहोवा की ओर हाईवे से नीचे उतर रही थी, उसी दौरान पीछे से आए लाल-सफेद रंग के ट्रक ने तेज गति से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रॉली में बैठे श्रद्धालु सड़क पर गिर पड़े। इस दौरान गुरप्रीत सिंह के ऊपर से ट्रक का टायर गुजर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घायलों में काबुल सिंह उर्फ पग्गा (45), काबुल सिंह (41), आजादपाल सिंह (20), अगमजोत सिंह (14) निवासी जयपुर तथा कुलदीप सिंह (37) निवासी धड़ाना शामिल हैं। राहगीरों की मदद से घायलों को पिहोवा के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर जशदीप सिंह ने गुरप्रीत सिंह को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल काबुल सिंह और कुलदीप सिंह को कुरुक्षेत्र के एलएनजेपी अस्पताल रेफर किया गया। हादसे के बाद आरोपी ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया है। थाना सदर पिहोवा पुलिस ने ट्रक नंबर के आधार पर मामला दर्ज कर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

हर्षित ने अपनी कमजोरी को हथियार बनाया, हकलाने की समस्या के बावजूद बनाया ये खास रिकॉर्ड

कुरुक्षेत्र : गुरुकुल कुरुक्षेत्र के 10वीं के छात्र हर्षित ने अपनी कमजोरी को हथियार बनाया यानि हकलाने (stuttering) की समस्या के बावजूद हर्षित का रिकॉर्ड इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल हो गया। दरअसल हर्षित आर्यन (15) ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में शामिल 193 देशों के नाम सबसे कम समय में बोलने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। इन देशों के नाम को बोलने में हर्षित ने सिर्फ 1 मिनट 22 सेकेंड और 91 मिली सेकेंड लिए। मूल रूप से बिहार के जिला सारण के छपरा निवासी हर्षित ने बताया कि उसे

बचपन से हकलाने की समस्या है। किसी मंच और स्टेज पर उसने कभी बोलने की सोचा भी नहीं था, लेकिन उसके दोस्तों ने उसे काफी सपोर्ट किया उसे इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के बारे में जानकारी दी। तब उसने खुद के लिए कम समय में यूएन के सब देशों के नाम कम समय बोलने का चैलेंज लिया। वह दोस्तो को हर रोज देशों के नाम बोलकर सुनाता था वह बीच में हकलाने के कारण अटकता भी था, लेकिन जब इसका रिजल्ट आउट हुआ, जिसमें उसने सबसे कम समय में ये कारनामा कर दिखाया। कल ही इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की तरफ से उसका मेडल और सर्टिफिकेट उसे मिला।

अरावली हिल्स पर दीपेंद्र हुड्डा ने केंद्र को घेरा, कहा- आज अरावली तो कल शिवालिक खतरे में होगी

करनाल : कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर अरावली पर्वतमाला के संरक्षण को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि नई खनन लीज पर लगी रोक सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का अनुपालन है, लेकिन सरकार ने अदालत में गलत तरीके से पैरवी कर पहाड़ों की ऊंचाई को 100 मीटर तक सीमित मानने की दलील दी, जिससे अरावली का बड़े पैमाने पर नुकसान हो सकता है। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि कोर्ट के आदेश में स्पष्ट है कि 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में खनन पर पाबंदी लागू रहेगी और जब तक नया माइनिंग प्लान तैयार न हो जाए, तब तक किसी तरह के पट्टे जारी नहीं किए जाने चाहिए। उनका कहना था कि केंद्र की दलील से न सिर्फ अरावली बल्कि भविष्य में शिवालिक पर्वत श्रृंखला भी खतरे में पड़ सकती है। सरकार पर्यावरण को जोखिम में डाल रही उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर सरकार किसके दबाव में पर्यावरण को जोखिम में डाल रही है। "हम अरावली को खनन माफिया और रियल एस्टेट लॉबी की हवस का शिकार नहीं बनने देंगे। पर्यावरण की सुरक्षा हमारा पहला कर्तव्य है। इसके लिए यदि जरूरत पड़ी तो रिव्यू पेटिशन भी दायर की जाएगी।"केंद्र पर हमला

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर बढ़ते अत्याचार पर बोलते दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस इस विषय को लगातार संसद में उठा रही है। "स्थिति बेहद गंभीर है, केंद्र को अपनी विदेश नीति के तहत तत्काल कड़े कदम उठाने चाहिए।" हुड्डा ने अवैध घुसपैठियों को बाहर निकालने की चर्चा पर कटाक्ष करते हुए कहा किक 12 साल से सिर्फ. बयानबाजी हो रही है, अब तक किसी को निकाला नहीं गया।

ससुराल पक्ष से तंग आकर डॉक्टर ने दी जान, सुसाइड नोट में छलका दर्द- 'इन्होंने मुझे मरने पर मजबूर किया'

पानीपत : हरियाणा के पानीपत जिले के न्यू बसंत नगर में एक बेहद दुखद घटना सामने आई है। यहा के रहने वाले एक डॉक्टर, सौरभ जैन ने अपनी ससुराल वालों से तंग आकर जहरीला इंजेक्शन लगाकर आत्महत्या कर ली। डॉक्टर ने मरने से पहले एक पेज का सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें उन्होंने अपनी व्यथा और मौत के कारणों का विस्तार से जिक्र किया है। सुसाइड नोट में छलका दर्द: 'इन्होंने मुझे मरने पर मजबूर किया'

डॉक्टर सौरभ ने आत्मघाती कदम उठाने से पहले अपने भाई को सुसाइड नोट की फोटो भेजी। नोट में उन्होंने अपनी पत्नी डिंपल, सास रेनू जैन,

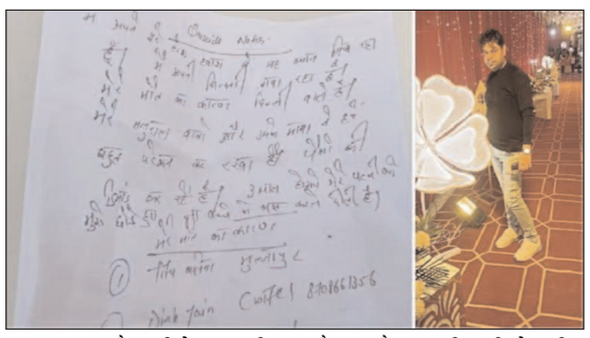

साला शुभम और पत्नी के मामा टीटू बनिया पर गंभीर आरोप लगाए हैं। डॉक्टर का आरोप है कि ये सभी लोग उन्हें लंबे समय से मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। परिजनों ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि डॉक्टर सौरभ और उनकी पत्नी के बीच पिछले 3 साल से अनबन चल रही थी। आरोप है कि डिंपल पिछले 3 साल से अपने मायके में रह रही थी और लगातार प्रॉपर्टी अपने नाम करवाने का दबाव बना रही थी।परिजनों का कहना है कि डॉक्टर को उनके अपने बच्चे से मिलने के लिए भी तरसाया गया, जिससे वे गहरे डिप्रेशन में चले गए थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के बाद शव को कब्जे में लिया और सामान्य अस्पताल के शव गृह में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सुसाइड नोट और परिजनों के बयानों को आधार बनाकर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। आरोपियों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है।

250 गांवों को मिली अटल पुस्तकालय की सौगात, अब देखने को मिलेगा ये बड़ा बदलाव

चंडीगढ़ : हरियाणा के 250 गांवों को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई की जयंती की पूर्व संध्या पर अटल पुस्तकालयों का ऐतिहासिक उपहार मिला। इन पुस्तकालयों का लोकार्पण केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की उपस्थिति में पंचकुला से किया। करनाल जिले के राहड़ा गांव में स्थित अटल पुस्तकालय के लोकार्पण समारोह में ग्राम्य समुदाय के साथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि पंचायत मंत्रालय द्वारा प्रदेश में लगभग एक हजार ग्रामीण ई-पुस्तकालयों की स्थापना का कार्य शुरू किया गया था। इनमें से 250 पुस्तकालयों का निर्माण लगभग चौंतीस करोड़ की लागत से पूर्ण हुआ है और अब इन्हें संचालन हेतु ग्राम पंचायतों को सौंप दिया गया है। डॉ. चौहान ने बताया कि इन अटल पुस्तकालयों के संचालन के लिए सरपंच की अध्यक्षता में एक प्रबंधन समिति गठित करने का प्रावधान किया गया है। इस समिति में गांव में निवास कर रहे सेवानिवृत्त शिक्षाविदों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को शामिल करने का भी प्रस्ताव है, ताकि पुस्तकालय केवल भवन न रहकर गांव के ज्ञान, संवाद और संस्कार के केंद्र बन सकें। उन्होंने कहा कि अटल पुस्तकालय ग्रामीण युवाओं को अध्ययन, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और डिजिटल ज्ञान से जोड़ने

की दिशा में एक सशक्त माध्यम सिद्ध होंगे तथा ग्राम स्वराज की परिकल्पना को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। हरियाणा ग्रंथ अकादमी के पूर्व उपाध्यक्ष रहे डॉ. चौहान ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में पुस्तकालयों की स्थापना को एक जन-आंदोलन का स्वरूप देने के लिए वे बीते डेढ़ दशक से निरंतर सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ई-पुस्तकालयों की शुरूआत का सिलसिला तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कार्यकाल में हुआ। जब पहली बार लाभ में आई बिजली कंपनियों ने कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (उरफ) के अंतर्गत सामाजिक कार्यों के लिए मार्गदर्शन मांगा, उसी समय इस अभिनव पहल की नींव रखी गई। डॉ. चौहान के मार्गदर्शन में अनेक गांवों में निगमों की ओर से ह्यसरदार पटेल पुस्तकालयोंह्ल की स्थापना की गई। आगे चलकर इस विचार और प्रयास को विकास एवं पंचायत विभाग ने आगे बढ़ाया और इसे राज्यव्यापी अभियान का स्वरूप प्रदान किया।डॉ. चौहान ने बताया कि पुस्तकालयों के निर्माण के लिए नए भवन खड़े करने के बजाय गांवों में पहले से मौजूद अनुपयोगी, जर्जर सामुदायिक भवनों अथवा अप्रयुक्त स्कूली कमरों की पहचान की गई। इन भवनों की मरम्मत कर उन्हें आधुनिक पुस्तकालयों में परिवर्तित किया जा रहा है। प्रत्येक पुस्तकालय में कंप्यूटर, ब्रॉडबैंड आधारित इंटरनेट तथा डिजिटल अध्ययन की सुविधाओं का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि इस पहल से वर्षों से व्यर्थ पड़ी सरकारी परिसंपत्तियां अब ग्राम समुदाय के उपयोग में लाई जा रही हैं और गांवों में ज्ञान, अध्ययन तथा संवाद के नए केंद्र विकसित हो रहे हैं।

इस कार्य को सिरे चढ़ाने में जिला परिषदों की भी अहम भूमिका रही है। हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक डॉ. चौहान ने बताया कि बीती शाम जिन पुस्तकालयों का लोकार्पण हुआ, उनमें करनाल, अंबाला, यमुनानगर, हिसार, झज्जर, रोहतक, भिवानी, जींद और फतेहाबाद जिलों के पंद्रह-पंद्रह पुस्तकालय शामिल हैं। उन्होंने बताया कि स्वीकृत अटल पुस्तकालयों में सर्वाधिक 121 पुस्तकालय अकेले करनाल जिले में हैं।

बॉक्सिंग डे टेस्ट में जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

मेलबर्न (एजेंसी)। स्टीव स्मिथ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई टीम गुरुवार से यहां इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के बॉक्सिंग डे टेस्ट में उतरेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले ही पांच मैचों की सीरीज 3-0 से जीत ली है। ऐसे में उसको मनोबल बढ़ा हुआ है जिससे वह इस चौथे टेस्ट मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार है। इस मैच में नियमित कप्तान पैट कमिंस और स्पिनर नाथन लियोन नहीं खेल रहे। कमिंस को कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम दिया गया है। वहीं लियोन चोटिल होने के कारण बाहर है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया बिना किसी मुख्य स्पिनर के पूरी तरह तेज गेंदबाजों के भरोसे उतरेगी। बॉक्सिंग डे टेस्ट में नाथन लियोन की जगह टॉड मर्फी को अवसर मिलता है या नहीं ये देखना होगा। माइकल नीसर, ब्रेंडन डॉजेट और जे रिचडर्सन में से किसी दो अंतिम एकादश में जगह मिलना तय है। अगर रिचडर्सन को मौका मिलता है, तो यह एशेज 2021-22 के बाद उनका पहला टेस्ट होगा। वहीं नीसर के लिए यह उनका पहला रेड-बॉल टेस्ट होगा। अब तक उन्होंने जो तीन टेस्ट मैच खेले हैं, सभी पिंक-बॉल टेस्ट रहे हैं। इस बीच कैमरन ग्रीन को बल्ले से खराब दौर के बीच बल्लेबाजी क्रम में नीचे 7 पर उतारा जाएगा। उस्मान ख्वाजा नंबर 5 पर बल्लेबाजी करेंगे और फॉर्म में चल रहे ऐलेक्स कैरी नंबर 6 पर बने रहेंगे। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम इंग्लैंड तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के बिना उतरेगी। आर्चर चोटिल होने के कारण बाहर हो गये हैं। के लिए अब भी कोई जगह नहीं है। उनकी जगह पर गस एटकिंसन को शामिल किया गया है। विशेषज्ञ स्पिनर शोएब बशीर को इस बार भी टीम में जगह नहीं मिली है। इंग्लैंड को इस मैच में जीत दर्ज करनी है तो बेहतर बल्लेबाजी और गेंदबाजी करनी होगी। अनुभवी बल्लेबाज जो रुट को बड़ी पारी खेलनी होगी।

बेन डकेट से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। इस मैच में ऑली पोप की जगह पर जैकब बेथेल को नंबर 3 पर बल्लेबाजी के लिए शामिल किया गया है। टीम की बल्लेबाजी रुट के अलावा जैक क्रॉली व हैरी ब्रुक पर भी आधारित रहेगी। जहां तक पिच की बात है मेलबर्न की इस पिच से तेज गेंदबाजों को अच्छी सहायता मिलने की संभवना है।

टीम इस प्रकार है

ऑस्ट्रेलिया : स्टीव स्मिथ (कप्तान),जेक वेदराल्ड, ट्रैविस हेड, मार्नस लाबुशेन, उस्मान खवाजा, ऐलेक्स कैरी (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, माइकल नीसर,मिचेल स्टार्क, ब्रेंडन डॉजेट/जे रिचडर्सन, स्कॉट बोलैंड

इंग्लैंड: बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, जेकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रूक, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्राइडन कार्स, जॉश टंग

सिंधु बनी बीडब्ल्यूएफ एथलीट्स कमीशन की चेयरपर्सन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु को 2026-2029 तक के लिए विश्व बैडमिंटन संघ (बीडब्ल्यूएफ) के एथलीट्स कमीशन की चेयरपर्सन बनाया गया है। ऐसे में पूर्व ओलंपिक पदक विजेता सिंधु अब बीडब्ल्यूएफ काउंसिल में सदस्य के तौर पर काम करेंगी जिससे खिलाड़ियों के हित की बातें इस संस्था के जरिये वह उठा सकेंगी। इस दौरान उन्हें विश्वस्तर पर भागीदारी में भी सहायता मिलेगी। वहीं नीदरलैंड की डेबोरा जिल को सिंधु की सहायक बनाया गया है। सिंधु ने कहा, साथी एथलीटों द्वारा यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपना मेरे लिए सम्मान की बात है, जिसे मैं विनम्रता और के साथ स्वीकार करती हूं। मैं पिछले कार्यकाल में किए गए असाधारण काम के लिए चेयरपर्सन रही ग्रेसिया पोली को भी दिल से धन्यवाद देना चाहती हूं।

उन्होंने कहा, 'हमारे पास अब हर खिलाड़ी की आवाज उठाने का एक मध्यम आ गया हे। यह एक शानदार अवसर है। मैं इसमें हर खिलाड़ी का प्रतिनिधित्व करने और सार्थक, स्थायी बदलाव के लिए लड़ने के लिए बीडब्ल्यूएफ मीडिया के साथ मिलकर काम करने को लेकर पूरी तरह गंभीर हूं।

बुमराह और ऋषभ ने अपने कमेंट पर मुझसे माफी मांगी थी : बावुमा

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कप्तान टेम्बा बावुमा ने कहा है कि भारत दौरे में कुछ बातों को लेकर उनका तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत से विवाद हुआ था हालांकि दोनो ने ही बाद में उनसे मुलाकत कर खेद जताया था। बावुमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीकी टीम ने इस दौरे में भारतीय टीम को 2-0 से हरा दिया था। सीरीज का पहला टेस्ट कोलकाता में खेला गया था। इसी टेस्ट में बुमराह और ऋषभ ने बावुमा की कम लंबाई पर टिप्पणी करते हुए उन्हें बौना कहा था। जिसकी मीडिया में काफी आलोचना भी हुई थी। बावुमा ने कहा है कि इसके बाद ऋषभ और बुमराह ने उनसे इस मामले में माफी मांग ली थी।

वहीं बावुमा ने मान कि कोच शुकरी कॉनराड ने भारतीय टीम को घुटने पर लाने जैसे जो टिप्पणी की थी वह गलत थी। उन्हें इस प्रकार की बात नहीं कहनी चाहिये थी।

बावुमा ने कहा, 'मुझे पता है कि मेरे साथ एक घटना हुई थी जहां भारतीय खिलाड़ियों ने मुझे कुछ कहा था पर मैच समाप्त होने के बाद ऋषभ और बुमराह आए और उन्होंने माफी मांगी।' उन्होंने कहा, 'तब मुझे नहीं पता था कि यह किस बारे में थी। मैंने उस समय इसके बारे में सुना नहीं था और मुझे फिर इस बारे में अपने मीडिया मैनेजर से बात करनी पड़ी थी।'

बावुमा ने आगे कहा, मैदान पर जो होता है उसे हम मन में नहीं रखते हुए बेहतर प्रदर्शन करने पर ध्यान देते हैं।

श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी20 मैच को जीतकर सीरीज पर कब्जा करने उतरेगी भारतीय टीम

तिरूवनंतपुरम (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां श्रीलंकाई टीम के खिलाफ होने वाले तीसरे टी20 मैच में जीत के साथ ही पांच मैचों की सीरीज अपने नाम करने उतरेगी। भारतीय टीम पहले दोनो ही मैचों में जीत के साथ ही अभी सीरीज में 2-0 से आगे है। भारतीय टीम ने विशाखापत्तनम में पहले दो टी20 मैचों में आठ और सात विकेट से जीत दर्ज की है। भारतीय टीम अभी तक बल्लेबाजी और गेंदबाजी में मेजबान टीम पर भारी पड़ी है। भारतीय टीम की ओर पहले मैच में जेमिमा रौड्रिग्स जबकि दूसरे में शेफाली वर्मा ने अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं गेंदबाजी भी अबतक अच्छी रही है। स्पिनरों ने पहले मैच में श्रीलंका को छह विकेट पर 121 और दूसरे में नौ विकेट पर 128 रनों पर ही समेट दिया था। एन श्रीचरणी, वैष्णवी शर्मा और क्रांति गौड़ ने अब तक दोनो ही मैचों में अच्छी गेंदबाजी की है।

भारतीय टीम को हालांकि फिल्डिंग पर ध्यान देना होगा। अब तक के दोनो ही मैचों में उसने काफी अवसर खोये। पहले मैच में पांच कैच गिरे जबकि दूसरे मैच में तीन रन आउट के अवसर उसने गंवाए।

वहीं श्रीलंका को उम्मीद इस मैच में जीतकर सीरीज में हार टालना चाहेगी। पहले दोनो ही मैचों में उसके बल्लेबाज और गेंदबाज असफल रहे थे। अब उसे अपने बल्लेबाजों और गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। उसकी बल्लेबाजी में भी निरंतरता की कमी रही है। दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं।

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, हरलीन देयोल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

श्रीलंका : चामरी अटापट्टू (कप्तान), हसिनी परेरा, विष्मी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षिका डी सिल्वा, कविशा दिलहारी, इमेशा दुलानी, कौशिनी नुथ्यांगना, मालशा शेहानी, इनोका राणावीरा, शशिनी गिम्हानी, निमेश मदुशानी, काव्या कविंदी, रश्मिका सेववंडी, मल्की मदारा।

ब्राजील के फोन्सेका ने टॉप 15 टेनिस खिलाड़ियों में जगह बनाने का रखा लक्ष्य

रियो डी जेनेरो। ब्राजील के टीनएजर जोआओ फोन्सेका ने अगले साल दुनिया के टॉप 15 पुरुष टेनिस खिलाड़ियों में शामिल होने का लक्ष्य रखा है, क्योंकि वह अपनी हालिया प्रगति को आगे बढ़ाना चाहते हैं। 19 साल के इस खिलाड़ी ने 2025 में दो खिताब जीते, जो एटीपी टूर पर उनका पहला पूरा सीजन था, लेकिन उन्होंने कहा कि वह इसे सिर्फ़ एक शुरुआत मानते हैं। रियो डी जेनेरो में जन्मे फोन्सेका ने मैगज़ीन वेजा को बताया, 'मेरा इरादा दुनिया के टॉप 15 में जगह बनाने का है। यह थोड़ा मुश्किल है, लेकिन मैं बड़ा सोच रहा हूं। मैं बिना उतार-चढ़ाव के लगातार अच्छे नतीजों पर भी ध्यान दूँगा।'

फोन्सेका ने इस साल 113वीं रैंक से शुरुआत की थी, लेकिन ब्यूनस आयर्स (एटीपी 250) और बेसल (एटीपी 500) में जीत के बाद वह 24वें नंबर पर पहुंच गए हैं। 2025 में उनकी अन्य उपलब्धियों में फ्रेंच ओपन और विंबलडन में तीसरे राउंड तक पहुंचना शामिल है। उन्होंने टेनिस के अलावा नए साल के कुछ और संकल्पों के बारे में भी बात की। फोन्सेका ने कहा, 'अपने खाली समय में, मैं इटैलियन सीखना चाहता हूं, पोकर कोर्स करना चाहता हूं और अपने पैसे मैनेज करना चाहता हूं।' ब्राजील के एकमात्र पुरुष ग्रैंड स्लैम सिंगल्स चैंपियन गुस्तावो कुएर्टन हैं, जिन्होंने 1997, 2000 और 2001 में फ्रेंच ओपन जीता था।

टी20 विश्वकप से पहले लय में आये रिंकू, विजय हजारे ट्रॉफी में खेली आक्रामक पारी

नई दिल्ली । विजय हजारे ट्रॉफी में फिनिशर रिंकू सिंह ने अच्छा प्रदर्शन किया है। नये साल में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के पहले रिंकू के लय में आने से भारतीय टीम प्रबंधन को भी राहत मिलेगी। पिछले कुछ समय से रिंकू का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था इससे बाद भी प्रबंधन ने उन्हें फिनिशर के तौर पर भारतीय टीम में शामिल था। वहीं अब रिंकू ने विजय हजारे ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश की कप्तानी करते हुए हैदराबाद के खिलाफ आक्रामक पारी खेलकर एक बार फिर अपनी क्षमताओं को साबित किया है। रिंकू ने 48 गेंद में 139.58 के स्ट्राइक रेट से 67 रन बनाए। ऐसे में प्रशंसकों को उसने इसी प्रकार के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। रिंकू भारतीय टी20 टीम के लिए फिनिशर की भूमिका निभाते हैं। रिंकू ने अंतिम बार एशिया कप 2025 के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ खेला था। तब उन्हें केवल एक गेंद खेलने का अवसर मिला था। रिंकू ने उसपर चौक लगाकर भारतीय टीम को खिताबी जीत दिलायी थी। उनको सिर्फ एक बॉल खेलने का मौका मिला था और उन्होंने उसी पर चौका लगाकर भारत को फाइनल जिताया था। वहीं रिंकू के अलावा आईपीएल में मुम्बई इंडियंस की ओर से खेलने वाले पंजाब के बल्लेबाज नमन धीर ने भी विजय हजारे ट्रॉफी में अच्छी बल्लेबाजी की है। नमन ने महाराष्ट्र के खिलाफ 97 रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी में 7 चौके और 4 छक्के लगाए। नमन को उनकी इस पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी दिया गया। नमन मुम्बई के भरोसेमंद खिलाड़ियों में है।

डब्ल्यूपीएल में दिल्ली कैपिट्ल्स की कप्तानी करेंगी जेमिमा रोड्रिग्स

मुम्बई (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 2026 सत्र के लिए मेग लैनिंग की जगह बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स को कप्तान बनाया है। लैनिंग की कप्तानी में दिल्ली की टीम तीन बार टूर्नामेंट के फाइनल तक पहुंची है पर एक बार भी खिताब नहीं जीत पायी है। दिल्ली कैपिटल्स के सह मालिक पार्थ जिंदल ने पहले ही कहा था कि इस बार टीम की कमान किसी भारतीय खिलाड़ी को ही दी जाएगी। दिल्ली की टीम में दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी बल्लेबाज लाउरा वोलवार्ट भी शामिल हैं। वोलवार्ट की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका की टीम महिला विश्व कप के फाइनल में पहुंची थी पर इसके बाद भी दिल्ली ने जेमिमा पर भरोसा जताया है।

डब्ल्यूपीएल में जेमिमा का प्रदर्शन अच्छा रहा है। इस बल्लेबाज ने 27 मैचों में तीन अर्धशतक के साथ ही 28.16 के औसत से 507 रन बनाए हैं, और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 139.66 का रहा है। उनका इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक स्कोर नाबाद 69 रन रहा है। दिल्ली कैपिटल्स डब्ल्यूपीएल 2026 में अपने पहले मुकाबले में 10 जनवरी को मुंबई इंडियंस से खेलेगी।

जेमिमा ने कप्तान बनाये जाने पर खुशी जतायी है। साथ ही कहा, दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान बनना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। मैं टीम के मालिकों और सहयोगी स्टाफ की आभारी हूं जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताते हुए मुझे इस टीम का नेतृत्व करने का अवसर दिया। यह शानदार अवसर मिलना मेरे और मेरे परिवार के लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। इस बल्लेबाज ने कहा, मैंने पिछले तीन वर्षों में बहुत कुछ सीखा है और दिल्ली कैपिटल्स के साथ अपने कुछ बेहतरीन पल साझा किए हैं। हमारे पास एक मजबूत टीम है और मैं मैदान में उतरने के लिए उत्सुक हूं क्योंकि हम एक बहुत ही अच्छे सत्र की उम्मीद कर रहे हैं।

दिल्ली कैपिटल्स टीम

जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, मारिजाने कप्प, एनाबेल सदरलैंड, निकी प्रसाद, लाउरा वोलवार्ट, चिनेले हेनरी, श्री चरणी, स्नेह राणा, लिजेल ली, दीया यादव, तानिया भाटिया, ममता मादीवाला, नंदनी शर्मा, लुसी हैमिल्टन, मिन्नू मणि।

जयपुर के सुभाष ने हांगकांग इंटरनेशनल जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के सुभाष चौधरी ने हांगकांग इंटरनेशनल जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में ब्वायज अंडर 17 वर्ग में स्वर्ण पदक जीत कर प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। कोच खांगा राम चौधरी ने बुधवार को बताया कि यह प्रतियोगिता हांगकांग में 19 से 24 दिसम्बर तक आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि सुभाष चौधरी जयपुर की नीरजा मोदी स्कूल 10वीं कक्षा का विद्यार्थी है। इसके फिटनेस कोच अंकित मानावता है और सुभाष ने पहले राउंड में बाई मिली, दूसरे राउंड में हांगकांग के ली हो सोम को 11-6, 11-6, 11-8 से, प्री क्वार्टर में मकाऊ के तम हाऊ इन को 11-0, 11-4, 11-4 से हराया। इससे पहले उन्होंने क्वार्टर फाइनल में हांगकांग के हा चूं हीन को 11-5, 9-11, 11-6, 11-8, और सेमी फाइनल में हांगकांग के युएन तज लांग को 11-5, 11-5, 11-2 से तथा फाइनल मुकाबले में सिंगापुर के रेहान सिंह को 11-4, 11-4, 11-5 से हरा कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इस साल सबसे अधिक रनों का शुभमन का रिकार्ड तोड़ पायेंगे रुट !

मेलबर्न । इंग्लैंड के जो रुट के पास इस साल सबसे अधिक रनों का रिकार्ड अपने नाम करने का अच्छा अवसर है। अभी तक इस साल सबसे ज्यादा रन भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल के नाम हैं। भारत के टेस्ट व एकदिवसीय कप्तान बने शुभमन ने इस साल तीनों प्रारुपों को मिलाकर कुल 1764 रन के साथ नंबर-1 पोजीशन हासिल की हुई है। वहीं दूसरे नंबर पर वेस्टइंडीज के शाई होप हैं उनके नाम 1760 रन पर हैं। वहीं इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज रूट के नाम 1598 रन हैं और वह शुभमन से 167 रन पीछे हैं। वेस्टइंडीज और भारतीय टीम को अब इस साल कोई और मैच नहीं खेलना है। ऐसे में अब शुभमन और होप और ज्यादा रन नहीं बना सकते। वहीं रुट को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 26 दिसंबर से एक टेस्ट मैच खेलना है। ऐसे में रुट के पास दो पारियों मे शुभमन का रिकार्ड तोड़ने का अच्छा अवसर है। अब देखना है कि वह इसमें सफल रहते हैं या नहीं। रूट अगर चौथे एशेज टेस्ट में शतक लगाने में सफल हुए तो वह शुभमन को पीछे छोड़कर पहले नंबर पर पहुंच सकते हैं। वहीं इस साल सबसे अधिक रन बनाने वालों की सूची में ब्रायन बेनेट 1585 और आगा सलमान- 1569 रन हैं।

जोकोविच की नजरें ऑस्ट्रेलियाई ओपन पर लगीं

माल्टा । सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच की नजरें अब अगले साल होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन पर लगी हैं। इसमें वह रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम जीतने उतरेंगे। इससे पहले वह एडिलेड इंटरनेशनल में उतरकर अपनी तैयारियों की समीक्षा करेंगे। हैं। इसी को देखते हुए जोकोविच ने नये ट्रेनिंग पार्टनर फ्रांस के आर्थर काजॉक्स के साथ अभ्यास शुरु कर दिया है। इससे काजॉक्स बेहद उत्साहित हैं। इस युवा खिलाड़ी ने लिखा, तीन शानदार दिन, ट्रेनिंग, सीखने और एक महान खिलाड़ी के साथ अनुभव साझा करने का अवसर मिला। बहुत आभारी हूं। काजॉक्स ने साल 2025 में अपनी करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 58 हासिल की। उन्होंने एटीपी फाइनल में खेलते हुए कई बड़े खिलाड़ियों को हराया और ग्रैंड स्लैम स्तर पर ऑस्ट्रेलियन ओपन और विंबलडन में दो जीत दर्ज की। इस प्रदर्शन से प्रभावित होकर ही जोकोविच ने उन्हें ट्रेनिंग पार्टनर बनाया है। इस साझेदारी से दोनों खिलाड़ियों को लाभ हो रहा है। जहां जोकोविच एक युवा से खेलकर इससे अपने खेल को और बेहतर बना रहे हैं। वहीं काजॉक्स को एक शीर्ष खिलाड़ी से खेलने के कारण सीखने का मिल रहा है। जोकोविच जैसे खिलाड़ी के साथ अभ्यास करने से काजॉक्स को तकनीक और रणनीति बनाने का भी अनुभव हो रहा है।

मुश्किल हालात में कमान संभालने के लिए अनुभवी खिलाड़ियों की जरूरत है : पीआर श्रीजेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। एसजी पाइपर्स हॉकी के डायरेक्टर पीआर श्रीजेश ने कहा है कि अगर फ्रेंचाइजी को हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के आने वाले सीजन में अच्छा प्रदर्शन करना है, तो अनुभवी खिलाड़ियों को आगे बढ़कर नेतृत्व की भूमिका निभानी होगी, खासकर जब हालात ठीक न हों।

भारत के पूर्व महान खिलाड़ी ने कहा, 'पिछले सीजन में हमने जीत के साथ शुरुआत की थी, लेकिन उसके बाद टीम बिखर गई, टीम को संभालने वाला कोई लीडर नहीं था, अनुभवी खिलाड़ियों को आगे आकर कमान संभालनी चाहिए थी। इस बार ऐसा नहीं होना चाहिए।' एसजी पाइपर्स 2024-25 सीजन में पुरुष और महिला दोनों कैटेगरी में टेबल में सबसे नीचे रही थी। श्रीजेश, जो जूनियर इंडिया हॉकी टीम के हेड कोच भी हैं, ने बताया कि पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय अनुभवी खिलाड़ी रूपिंदर पाल सिंह को टीम में मेंटरशिप और बीच में नेतृत्व देने के लिए चुना गया है।

'रूपिंदर को चुनने के पीछे मेरा विचार यह था कि हमें एक मेंटर की जरूरत है, हमें ऐसे किसी व्यक्ति की जरूरत है जो मैदान पर टीम को कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करे। हम उनका समझदारी से इस्तेमाल करेंगे ताकि उनसे ज़्यादा से ज़्यादा फायदा मिल सके।' पद्म भूषण पुरस्कार विजेता, जिनके नेतृत्व में भारत की जूनियर हॉकी टीम ने 2025 के हॉकी जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीता था, ने कहा कि वह परिणाम से खुश हैं, लेकिन इस बात पर ज़ोर दिया कि आने वाले दिनों में टीम के प्रदर्शन का बारीकी से विश्लेषण किया जाएगा।

'कांस्य पदक अच्छा है, इन युवा खिलाड़ियों के पास अपने सभी प्रयासों का नतीजा दिखाने के लिए कुछ है, हालांकि, महत्वपूर्ण यह है कि वे समझें कि वे सेमीफाइनल में या पूरे टूर्नामेंट में और क्या कर सकते थे। इसलिए एचआईएल के बाद हम सबसे पहले उन्हें उनके सभी मैच दिखाएंगे। मैं चाहता हूं कि वे जानें कि 2027 में उन्हें उन्हीं चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, शायद किसी दूसरे शहर में, और उन्हें उनसे निपटने के लिए बेहतर तरीके से तैयार रहना होगा।'

उन्हें लगा कि जर्मनी के खिलाफ सेमीफाइनल में, जिसमें भारत हार गया था, वह बेहतर फैसले ले सकते थे। 'मुझे लगा कि जर्मनी के खिलाफ मैच के दौरान मैं कुछ चीजें बेहतर कर सकता था, टैक्टिकली और फैसले लेने के मामले में भी। हालांकि मेरे ज़्यादातर फैसले सही थे, यहां तक कि अर्जेंटीना के खिलाफ हमने जो इनडायरेक्ट वेरिएशन किए थे, हमने वही वेरिएशन उनके खिलाफ लगातार आजमाए और वे काम आए, साथ ही, मेरा एक और शानदार फैसला यह था कि आखिरी फ्लिक के लिए रोहित की जगह मैंने अनमोल को लेने के लिए कहा, जो सही साबित हुआ।'

श्रीजेश, जिन्होंने तीन बार FIH गोलकीपर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड जीता है, ने एक खिलाड़ी और एक कोच होने के बीच कुछ बड़े अंतर बताए।उन्होंने कहा, 'मैं अपने कोचिंग रोल का आनंद ले रहा हूं, जूनियर टीम के साथ लगभग एक साल हो गया है, और मैं नए खिलाड़ियों के एक नए ग्रुप का इंतजार कर रहा हूं, और मुझे नए ग्रुप के साथ शुरू से शुरुआत करनी होगी, इसलिए यह एक बड़ी चुनौती होने वाली है। एक खिलाड़ी के तौर पर, प्रोग्रेस लीनियर होती है 1 से 10, फिर 10 से 15, 15 से 20 और इसी तरह, लेकिन एक कोच के तौर पर आप 20 तक पहुंचते हैं, फिर जब नया बैच आता है तो आप फिर से एक से शुरू करते हैं।'

कियारा आडवाणी ने टॉक्सिक में अपनी भूमिका के बारे में किया खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने हाल ही में अपनी आने वाली फिल्म टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स के लिए एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने अपनी भूमिका को बहुत खास बताया।

टॉक्सिक में रोल को लेकर कियारा का खुलासा

फिल्म टॉक्सिक में नादिया का रोल निभा रही कियारा आडवाणी ने एक्स पर एक नोट लिखा, यह रोल मुझसे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से बहुत कुछ मांगता था। मेरे लिए यह पूरी तरह बदलाव लाने वाला अनुभव रहा। अब तक का मेरा सबसे मुश्किल रोल। महीनों की मेहनत। एक निडर छलांग। इस फर्स्ट लुक को इतना प्यार मिलना मेरे लिए सबकुछ है। मैं शब्दों से ज्यादा आभारी हूं।

फिल्म निर्माताओं का पोस्ट

हाल ही में फिल्म के निर्माताओं ने कियारा का फर्स्ट लुक जारी किया था। इसमें कियारा को स्टाइलिश गाउन में दिखाया गया, जो फर्श तक लंबी और ऊंची स्लिट वाली है। वह चमकदार स्टेज पर आत्मविश्वास से खड़ी नजर आईं। बैकग्राउंड में सर्कस जैसा माहौल दिखा। उनके चेहरे पर ग्लैमर के साथ दुख और उदासी के भाव नजर आए।

फिल्म टॉक्सिक के बारे में

यश की मुख्य भूमिका वाली यह फिल्म 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसे गीतु मोहनदास ने निर्देशित किया है। प्रोडक्शन वीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स ने किया है। यह कन्नड़ और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज होगी। बाद में इसे हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम में डब किया जाएगा। यह कन्नड़ सुपरस्टार यश की सुपरहिट फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 (2022) के बाद पहली फिल्म है। कियारा को हाल ही में वॉर 2 में देखा गया था, जिसमें ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर मुख्य भूमिका में थे।

राशा थडानी से अहान पांडे तक

इस साल इन स्टार किड्स ने किया डेब्यू

इस साल कई नए सितारों ने सिनेमा की दुनिया में कदम रखे। चर्चित सितारों के बच्चों के डेब्यू ने भी दर्शकों का ध्यान खींचा। जनवरी में फिल्म आजाद की रिलीज के साथ ही यह सिलसिला शुरू हो गया था और सालभर चला। मगर, बॉक्स ऑफिस पर कौन अपना दम दिखा पाया?

राशा थडानी

इस साल जनवरी में रिलीज हुई फिल्म आजाद के जरिए रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने इंडस्ट्री में कदम रखे। सिर्फ उन्होंने ही नहीं, बल्कि उनके साथ अजय देवगन के भांजे अमन देवगन ने भी डेब्यू किया। मगर, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास नहीं रही। हालांकि, राशा ने अपने आइटम नंबर ऊई अम्मा से जरूर सुर्खियां बटोरीं।

इब्राहिम अली खान

सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी सारा अली खान जहां बॉलीवुड में स्थापित हो चुकी हैं, वहीं इस साल उनके बेटे इब्राहिम अली खान ने फिल्म नादानियां से डेब्यू किया था। हालांकि, इब्राहिम का यह ओटीटी डेब्यू था। मगर फिल्म को काफी नेगेटिव रिव्यू मिले।

आर्यन खान

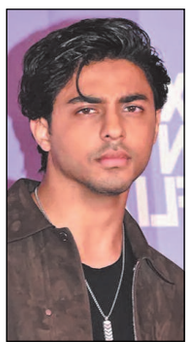

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ने भी इस साल डेब्यू किया। हालांकि, उन्होंने प्लेटफॉर्म ओटीटी चुना। उन्होंने सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के जरिए बतौर निर्देशक डेब्यू किया। उन्हें काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली। आर्यन दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रहे।

अहान पांडे

इस साल का सबसे धमाकेदार डेब्यू अहान पांडे ने किया। एक्टर चंकी पांडे के भतीजे ने फिल्म सैयारा के जरिए धूम मचा दी। बता दें कि फिल्म की लीड एक्ट्रेस अनीत पड्डा की भी बतौर मुख्य कलाकार यह पहली फिल्म थी। बॉक्स ऑफिस पर सैयारा छा गई और 300 करोड़ी क्लब में एंट्री ली।

शनाया कपूर

एक्टर संजय कपूर की बिटिया शनाया कपूर ने भी इसी साल अभिनय की दुनिया में बोहनी की। उन्होंने फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से डेब्यू किया। इसमें वे विक्रांत मैसी के अपोजिट नजर आईं। मगर, कमाई के मामले में फिल्म फुस्स साबित रही।

खुशी कपूर और जुनैद खान

फिल्म लवयापा के जरिए आमिर खान के बेटे जुनैद खान और श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर ने बड़े पर्दे पर डेब्यू किया। इससे पहले जुनैद ओटीटी पर फिल्म महाराज में नजर आए थे और उनके अभिनय की खूब तारीफ हुई थी। वहीं, खुशी कपूर ओटीटी पर आई फिल्म द आर्चीज में नजर आ चुकी थीं। बड़े पर्दे पर रिलीज हुई दोनों सितारों की पहली फिल्म लवयापा फ्लॉप रही।

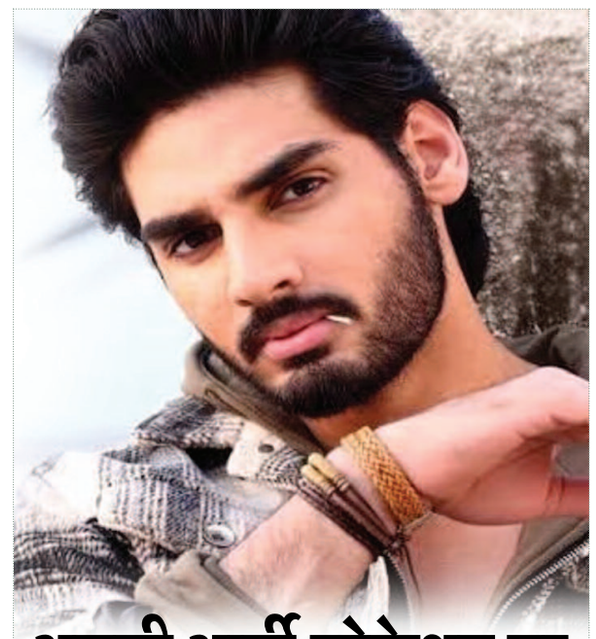

असली आर्मी लोकेशन पर शूटिंग करना नहीं था आसान

हिंदी सिनेमा के लिए फैंस के लिए नए साल की शुरुआत देशभक्ति से भरी फिल्म बॉर्डर 2 से होने वाली है, जिसमें सनी देओल, दिलजीत सिंह दोसांझ, वरुण धवन और अहान शेट्टी सैनिक के किरदार में दिखने वाले हैं। ये फिल्म अहान शेट्टी के लिए बेहद खास है क्योंकि पहली फिल्म तड़प के सुपरफ्लॉप होने के बाद अब बॉर्डर 2 उनके करियर के लिए अहम है। फिल्म में अभिनेता ने नेवी अफसर का रोल प्ले किया है और अब उन्होंने आईएएनएस से खास बातचीत में अपने किरदार और फिल्म की शूटिंग के किस्सों को शेयर किया है। कड़ी मिलिट्री ट्रेनिंग और मुश्किल एक्शन सीक्वेंस के लिए अहान ने बहुत मेहनत की। उन्होंने बताया कि ट्रेनिंग वहां हुई, जहां असली सैनिक ट्रेनिंग लेते हैं। अहान ने कहा कि फिल्म की शूटिंग एनडीए खड़कवासला में हुई और इसका मकसद सिर्फ असली विजुअल्स कैप्चर करना नहीं था बल्कि उस माहौल को सीखना था, जिसने मेरे किरदार को पूरी तरह बदल दिया। आप वहां ट्रेनिंग ले रहे होते हैं जहां असली ऑफिसर ट्रेनिंग लेते हैं। वह माहौल आपको कुछ भी गलत करने नहीं देता, बल्कि आपकी बॉडी, आपका पोस्चर और बात करने का तरीका वहां के हिसाब से ढल जाता है। शूटिंग का अनुभव शेयर करते हुए उन्होंने कहा कि शूटिंग की लोकेशन बदलने लगी लेकिन मेरा रूटीन पहले जैसा रहा। वहीं स्ट्रेंथ ट्रेनिंग सेशन, एजिलिटी, कार्डियो, आइस बाथ, स्टीम, सौना और रेड लाइट थेरेपी रोजाना का रूटीन बन गया। आराम के लिए समय नहीं था क्योंकि ट्रेनिंग नहीं छोड़ सकते थे और रोजाना युद्ध वाले सीन शूट करने होते थे, तो आराम का समय नहीं होता है। लगता था कि अब बस अच्छा परफॉर्म करना है। असली मिलिट्री जगहों पर शूटिंग करने में अहान को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। उन्होंने बताया कि 40 डिग्री के तापमान में युद्ध के सीन को शूट किया और 12 घंटों की शूटिंग के दौरान टेक्निकल गियर पहनकर काम करना होता था। बता दें कि बॉर्डर 2 में अहान शेट्टी एक नेवी ऑफिसर का रोल प्ले करने वाले हैं। ये फिल्म और किरदार दोनों ही उनके लिए खास हैं क्योंकि उनके पिता सुनील शेट्टी ने भी फिल्म बॉर्डर में सीमा पर तैनात सैनिक भैरव सिंह का रोल प्ले किया था। फिल्म में उनके जोश और किरदार को खूब पसंद किया गया था, लेकिन अब देखना होगा कि दर्शक उनके बेटे अहान को कितना प्यार देते हैं।

इक्कीस ने मुझे बदल दिया

अगस्त्य नंदा ने सुनाए शूटिंग के किस्से

फिल्म ' इक्कीस' की रिलीज से फिल्म के मुख्य अभिनेता अगस्त्य नंदा ने फिल्म को लेकर बात की। मीडिया से बातचीत में अगस्त्य ने फिल्म से जुड़े अपने अनुभव, डर, सीख और निजी यादों को खुलकर साझा किया। इस दौरान एक्टर ने धर्मेंद्र के साथ पहली मुलाकात से लेकर शूटिंग के दौरान उठाए गए जोखिम, अपने चार साल के सफर और परिवार से मिली सीख तक के बारे में बताया। अभिनेता ने कहा कि यह फिल्म उनके लिए सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं बल्कि एक गहरा और निजी अनुभव रही है।

ऐसे हुई धर्मेंद्र के साथ पहली मुलाकात

दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र से अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए अगस्त्य ने बताया कि जब मैंने यह फिल्म साइन की थी, उसी दिन धर्मेंद्र जी का जन्मदिन था। मुझे लगा कि खुद को उनसे मिलवाने का सबसे सही तरीका यही होगा कि जाकर उनका आशीर्वाद लिया जाए। उस दिन श्रीराम सर, दिनेश सर, बिनी और मैं उनसे मिलने गए थे। सच कहूं तो मैं बहुत नर्वस था, क्योंकि मुझे समझ नहीं आ रहा था कि उनसे क्या कहूं और कैसे बात करूं। लेकिन वह बेहद गर्मजोशी से मिले। उन्होंने मुझे आशीर्वाद दिया और वह पल मेरे साथ हमेशा के लिए जुड़ गया।

फिल्म के दौरान काफी कुछ सीखने को मिला

फिल्म 'इक्कीस' के सफर के बारे में अगस्त्य ने कहा कि सच कहूं तो इस फिल्म की शुरुआत करने को लेकर आज जब पीछे मुड़कर देखता हूं, तो मैं खुद को एक बिल्कुल अलग इंसान महसूस करता हूं। जब मैंने यह फिल्म शुरू की थी, तब मैं सिर्फ 21 साल का था और आज मैं 25 का हूं। उस वक्त मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि मैं इतना कुछ सीखूंगा या इतने शानदार लोगों के साथ काम करने का मौका मिलेगा। यह फिल्म मेरे लिए सच में एक मजबूत नींव बन गई है। ऐसी नींव, जिसे मैं आगे हर फिल्म में अपने साथ लेकर जाऊंगा। चाहे वह अभिनय से जुड़ा हो या फिर सेट पर रहने के नजरिए से। दिनेश सर से जो मार्गदर्शन मुझे मिला, वह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

जोखिम भरी रही फिल्म की शूटिंग

फिल्म की शूटिंग से जुड़े अनुभवों को साझा करते हुए नवोदित कलाकार ने कहा कि शूटिंग के दौरान कई ऐसे पल आए जब सच में लगता था कि कुछ भी हो सकता है। हमने ये टैंक खुद बनाए थे, इसलिए वे काम करने के लिहाज से पूरी तरह सुरक्षित नहीं थे। फिल्म के दूसरे हिस्से में कुछ एक्शन सीन बहुत जोखिम भरे हैं। हमने ऐसे मूवमेंट किए जो असली टैंक करते हैं। हमने काफी रिहर्सल की थी, लेकिन फिर भी डर बना रहता था। खासकर तब, जब टैंक 20 या 30 फीट की ऊंचाई पर मुड़ता था। उस वक्त सच में डर लगता था कि कहीं वह पलट न जाए। इसके अलावा धमाके हो रहे थे। हर चीज की टाइमिंग बिल्कुल सही होनी थी और टैंक को ठीक उसी पल रुकना था। यह सब आसान नहीं था। शुक्र है कि कुछ गलत नहीं हुआ।

बच्चों से कुछ न छुपाएं, वे हर चीज खुलकर देख-पढ़ रहे हैं

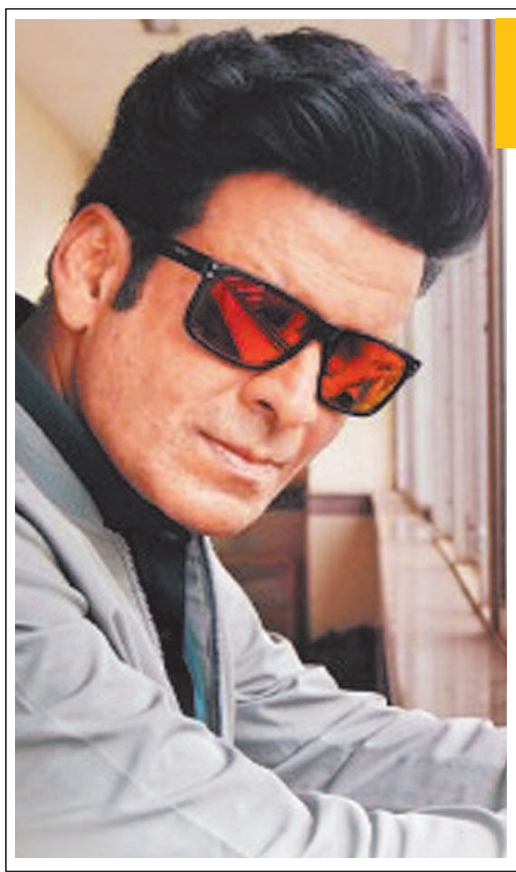

मुंबई का किंग कौन यह डायलॉग बोलने वाले एक्टर मनोज बाजपेयी अनेक बार साबित कर चुके हैं कि वह अभिनय के मामले में किंग हैं। उन्हें 4 बार राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाज़ा जा चुका है। अब यह कद्दावर अभिनेता अपने 30 साल के सफर में फिल्मों की सेंचुरी लगा चुका है। इस मुलाकात में वह अपने करियर, पैरंटिंग और जिंदगी के सबक की गिरहें खोलने में जरा भी नहीं हिचकिचाते।

सोशल मीडिया से आजकल हर माता-पिता झपरेशान हैं। पैरंटिंग पर आपकी राय क्या है?

आप जहां भी जाएंगे, सोशल मीडिया आपके पीछे-पीछे आएगा। यह आपको नहीं छोड़ने वाला तो इसे हैंडल करना होगा। जैसे मेरी बेटी आवा हॉस्टल में रहती है। वहां वह मॉनिटरिंग में रहती है, लेकिन जब वह घर आती है तो उसकी मां उसे फोन दे देती है। मैं यही कहूंगा कि बैन मत करिए, नजर रखिए। जितना आप उन पर रोक-टोक लगाएंगे, उतना वे आपसे छुपाते जाएंगे। पैरंटिंग का जो सिद्धांत है, वह शबाना (पत्नी) बहुत अच्छे-से जानती हैं और समझती हैं। आवा अपनी मां से कोई बात छुपाती नहीं। आवा कोई बात बाहर किसी दूसरे से सुने और असमंजस में पड़े, इससे पहले ही उसकी मां वे तमाम बातें उसे बता चुकी होती है। बच्चों के साथ आपको खुलकर बात करनी पड़ेगी। इस समझदारी के साथ पैरंटिंग के अलावा लगातार मॉनिटरिंग की भी जरूरत होती है। बच्चे का दिमाग जब तक विकसित नहीं होता, तब तक उसे संभाल कर रखना माता-पिता की जिम्मेदारी है। मगर बच्चे से चीजें छुपाए नहीं। उसे हर चीज के बारे में बताएं क्योंकि वे हर चीज देख-सुन और पढ़ रहे हैं। आवा किसी से कुछ भी छुपा ले, मगर मां से कुछ नहीं छुपाती।

क्या आप अपनी वेब सीरीज के टाइटल की तरह असल जिंदगी में भी फैमिली मैन हैं?

यह जोर से मत कहिए! मेरी पत्नी ने सुन लिया तो आपको तुरंत बता देंगी कि यह बिलकुल गलत बात है। मैं शूटिंग पर रहता हूं तो मुझसे शिकायतों का सिलसिला चलता रहता है। पर हां, जब काम नहीं कर रहा होता तो पूरा समय घर पर बिताता हूं। तब 10-15 दिन बाद ही मेरी पत्नी और बेटी कहने लगती हैं कि अब आप शूटिंग पर कब जाओगे? घर पर रहकर बहुत तंग करते हैं। मुझे परिवार के साथ रहना बहुत अच्छा लगता है। परिवार जानता है कि मुझे काम से कितना प्रेम है। उम्र के साथ शरीर थोड़ा साथ नहीं देता, मगर शूटिंग करने में अब भी उतनी ही खुशी मिलती है। हां, शूटिंग के बाद परिवार संग रहना जरूरी है। मैं कहीं विदेश में शूटिंग करूं और परिवार साथ न हो तो मुझे यही बुरा लगता है कि वे इस नए देश को मेरे साथ अनुभव नहीं कर पा रहे। मैं ऐसा ही इंसान हूं, मगर कमियां बहुत हैं, जो मेरी पत्नी बेहतर बताएंगी।

30 साल के सफर को पलट कर देखते हैं तो कैसा लगता है?

मैं पीछे मुड़कर देखता ही नहीं। यह मेरे लिए हमेशा मुश्किल रहा है। मेरा स्वभाव ही ऐसा है कि बीती बातों में नहीं उलझता क्योंकि वहां अब कुछ नया मिलने वाला नहीं होता। समय बदला, चीजें बदलीं, समाज बदला और इंडस्ट्री भी लगातार बदलती गई। अब ढूंढ़ जिस रफ़्तार से आ रहा है, वह बहुत कुछ बदल रहा है और बदलेगा भी। मेरी एक आदत रही है, बदलते वक्त के साथ खुद को बदलना। बदलाव के साथ तालमेल बैठाकर आगे बढ़ना और अच्छा काम करना- यही मुझे आता है और यही मैं करता आया हूं। उसी में बेहतर करने की कोशिश करता हूं ताकि नई पीढ़ी के साथ कदमताल बनी रहे। अगर किसी चीज में मैं बुरा हूं और मुझे कोई चीज नहीं आती तो मैं उसके लिए किसी को हायर कर लेता हूं। इसके पीछे मेरी सोच यही होती है कि मेरा काम होता रहे और मैं अभिनय करता रहूं।

किस चीज को खोने का दुख सताता है?

अगर इमोशनल तौर पर सोचूं तो मैंने क्या खोया? मैंने खोया है, माता-पिता का साथ। मैं 9 साल की उम्र में हॉस्टल चला गया था और तब से उनके साथ रह ही नहीं पाया। फिर दिल्ली चला गया जबकि वे गांव में थे। जब वे दिल्ली आए, तब तक मैं मुंबई आ चुका था। उनके अंतिम दिनों में जो साथ और जिम्मेदारी मेरे भाई-बहनों ने निभाई, वह मेरा हिस्सा ही नहीं बन सका। मैं उनसे दूर था। आप ऐसी यात्रा पर निकलते हैं तो इस तरह के त्याग के लिए तैयार रहना पड़ेगा। आपको बहुत कुछ खोना पड़ेगा।

आपके जिंदगी के सबक क्या हैं?

मुझे लगता है कि किसी दूसरे को अपनी जिंदगी का निर्धारण न करने दें और न ही उससे प्रभावित होइए क्योंकि आपको लेकर उनकी राय लगातार बदलती रहती है। आपको खुद के और आपके आसपास के लोगों के अलावा कोई नहीं जानता। यही वजह है कि मैं हर अभिनेता से यह कहता हूं कि शुक्रवार से डरो मत। अगर यह शुक्रवार बुरा गया है तो अगला अच्छा जाएगा और फिर आपके बारे में उनकी राय बदल जाएगी। लोगों की राय कभी भी एक जैसी नहीं रहती। इसलिए लोगों की राय पर अपना जीवन न चलाएं। जो मन में हो वही करें, पर यह जरूर देखें कि उससे किसी दूसरे को तकलीफ़ न हो ।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।